NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 174 लखनऊ, शनिवार 14 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

ट्रंप के बोर्ड आफ पीस की बैठक में भाग लेने को लेकर उतावला हुआ पाकिस्तान, मगर मोदी ने चली सधी हुई चाल

एजेंसी।

दिल्ली। हम आपको बता दें कि यह मंच शुरुआत में गाजा के अस्थायी शासन और पुनर्निर्माण की देखरेख के लिए सोचा गया था, पर बाद में ट्रंप ने इसे वैश्विक संघर्षों से निपटने वाला व्यापक मंच बताना शुरू कर दिया। यही बदलाव कई देशों और विशेषज्ञों की चिंता का कारण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर बनने जा रहे बोर्ड ऑफ पीस को लेकर नई कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान ने ऐलान किया है कि उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह वाशिंगटन में होने वाली इस मंच की पहली बैठक में शामिल होंगे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि विदेश मंत्री इशाक दर भी उनके साथ रहेंगे। दूसरी ओर भारत ने वही निमंत्रण मिलने की बात स्वीकार करते हुए साफ किया है कि वह अभी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और सोच समझकर ही कोई कदम उठाएगा। संघर्षों से निपटने वाला व्यापक मंच बताना शुरू कर दिया। यही बदलाव कई देशों और विशेषज्ञों की चिंता का कारण है। उन्हें डर है कि ऐसा कोई ढांचा संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को कमजोर कर सकता है। अभी तक कोई भी प्रमुख जी–7 देश

औपचारिक रूप से इससे नहीं जुड़ा है, लेकिन पाकिस्तान उन शुरुआती देशों में रहा जिसने जल्दबाजी में हामी भर दी।पाकिस्तान का दावा है कि वह यह कदम भले मन से उठा रहा है और वह आठ इस्लामी अरब देशों की सामूहिक आवाज का हिस्सा है। वह फिलिस्तीन के लिए 1967 से पहले की सीमा के आधार पर अलग राज्य और अल कुद्स को राजधानी बनाने की बात दोहरा रहा है। सुनने में यह नैतिक रुख लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस मंच से सच में ऐसा कोई समाधान निकलेगा या यह केवल बड़ी शक्तियों की छवि चमकाने का जरिया बनेगा। इधर नई दिल्ली का रुख कहीं अधिक परिपक्व और संतुलित दिखता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि भारत पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और संवाद के हर प्रयास का समर्थन करता है, पर किसी भी पहल में शामिल होने से पहले उसके ढांचे, लक्ष्य और प्रभाव का ठंडे दिमाग से आकलन जरूरी है। यही जिम्मेदार शक्ति की पहचान है। हर मंच पर पहुंच जाना कूटनीति नहीं, कई बार संयम ही असली कूटनीति होता है। पाकिस्तान की आतुरता का एक कारण उसकी वैश्विक छवि भी है। वह लंबे समय से खुद को शांति समर्थक देश दिखाने की कोशिश करता रहा है, जबकि जमीन पर उसका इतिहास उलटा रहा है। ऐसे में उसे हर वह मंच लुभाता है जहां वह अपने लिए जगह और तस्वीर दोनों हासिल कर सके। दावोस में फोटो अवसर मिल चुका है, अब वाशिंगटन में उपस्थिति से वह अपने लिए नई वैधता गढ़ना चाहता है। यह अलग बात है कि विश्व की बड़ी ताकतें अभी दूरी बनाए हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम की एक और परत भी है। ट्रंप बार बार यह दावा दोहराते रहे हैं कि पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव को उन्होंने रुकवाया। भारत इस दावे को साफ नकार चुका है और कह चुका है कि अपने सुरक्षा हितों पर वह किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता। ऐसे में बोर्ड ऑफ पीस जैसा मंच कहीं न कहीं कथानक की लड़ाई का भी मैदान बन सकता है। कौन शांति दूत दिखेगा और किसकी कहानी चलेगी, यह भी दांव पर है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को देखते हुए पाकिस्तान को डर है कि कहीं नई दिल्ली और वाशिंगटन के सुधरते रिश्ते उसके लिए मुश्किल न बन जाएं, इसलिए भी शहबाज शरीफ भागे भागे अमेरिका जा रहे हैं। देखा जाये तो भारत का सतर्क रुख सराहना के योग्य है। विश्व राजनीति में हर चमकती पहल सोना नहीं होती। किसी भी नए मंच में शामिल होना केवल सद्भाव का मामला नहीं, बल्कि संप्रभुता, रणनीतिक स्वतंत्रता और दीर्घकालिक हितों से जुड़ा फैसला होता है। यदि कोई ढांचा संयुक्त राष्ट्र जैसी स्वीकृत संस्था को किनारे कर समानांतर व्यवस्था खड़ी करता है, तो उसके दूरगामी असर होंगे।

धूल चेहरे पर थी, मैं आईना साफ करता रहा... सीएम योगी का समाजवादी पार्टी पर तंज

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मिर्जा गालिब के शेर श्धूल चेहरे पर थी और मैं आईना साफ करता रहाश का इस्तेमाल करते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्ष पर अपनी विफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ने का आरोप लगाया और दावा किया कि उनकी सरकार ने 8 वर्षों में 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि उनके व्यवहार से बेटियां घबरा गईं और व्यापारियों ने अपना कारोबार बंद कर दिया। उन्होंने अपनी आलोचना को प्रसिद्ध कवि मिर्जा गालिब के एक कथन से समाप्त किया, ष्धूल चेहरे पे थी और मैं आईना साफ करता रहा,ष् जिसका अर्थ है कि विपक्ष अपनी गहरी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष दे रहा है।उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य दलों के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने राज्य को शर्मिंदा किया, और दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में लगभग 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि राज्य की छवि अचानक खराब नहीं हुई। यह समाजवादी पार्टी का विशेष व्यवहार था जिसने बेटियों को घबरा दिया और व्यापारियों ने अपना कारोबार बंद कर दिया।विपक्ष के भाषण का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मैं आपके सभी सवालों का जवाब दे दूंगा। और गालिब ने कहा था, श्उमर भर मैं यही भूल करता रहा। धूल चेहरे पे थी और मैं आईना साफ करता रहा।श इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि नीति आयोग के आंकड़ों पर आधारित

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने पिछले 8 वर्षों में 6 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी की रेखा से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें अन्य योजनाओं से वंचित किया जाए। उन्हें राशन, स्वास्थ्य और अन्य सभी प्रशासनिक सुविधाएं मिलती रहेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के भाषण के साथ शुरू हुआ, जिसमें विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी की। अपने भाषण में राज्यपाल ने कहा कि राज्य में 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। बजट सत्र 9 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा, और 2026–27 वित्तीय वर्ष का राज्य बजट 11 फरवरी को पेश किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि 2025 के महाकुंभ में 65 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए थे, और प्रयागराज में आयोजित 2026 के माघ मेले में 21 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए थे।

ट्रेड डील से किसानों को खतरा?शिवराज सिंह चौहान बोले- विपक्ष का झूठ, सब सुरक्षित

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेहूं, चावल, डेयरी और पोल्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते में कोई नुकसान नहीं हुआ है और सभी एफटीए देशहित में हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में 'झूठ फैलाने' के लिए विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। चौहान ने आईसीएआर–आईएआरआई के 64वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अलावा यूरोपीय संघ एवं अन्य देशों के साथ हुए सभी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भी देश के हित में किए गए हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ''यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य देशों के साथ हुए सभी एफटीए देश के हित में हैं। अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता भारत के हित में है और इसमें पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। किसानों के हितों को सबसे ऊपर रखा गया है।'' उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का परोक्ष उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग किसान हितों के मुद्दे पर 'हंगामा' कर रहे हैं। चौहान ने कहा, ''वे हंगामा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें लूट लिया गया है। हम बर्बाद हो गए हैं। सब कुछ बर्बाद हो गया है। देश बिक गया है।'' उन्होंने कहा कि वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 'वे किसानों की ताकत बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। विपक्ष झूठ फैला रहा हैकृषि मंत्री ने विपक्ष पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा, वे झूठ बोल रहे हैं। वे झूठ खाते रहते हैं, झूठ पीते रहते हैं, झूठ के साथ उठते हैं, झूठ के साथ सोते हैं और झूठ फैलाते रहते हैं। उन्होंने झूठ की दुकान खोल ली है। झूठ के पंजे फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन आज इस स्थापित मंच से, मैं अपने देशवासियों और किसानों से कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत के किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते में गेहूं, मक्का, चावल, सोयाबीन और मोटे अनाज जैसी किसी भी प्रमुख फसल के मामले में ऐसी कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है जिससे घरेलू उत्पादकों को नुकसान हो, जबकि डेयरी और पोल्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा पक्का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 'नंबर वन' अर्थव्यवस्था बनना है।

अभिनेता थालापति विजय की टीवीके रैलीरैली में बड़ा हादसा, दिल का दौरा पड़ने से एक शख्स की मौत

एजेंसी।

तमिलनाडु के सलेम में अभिनेता विजय की टीवीके रैली के दौरान एक व्यक्ति की संदिग्ध दिल के दौरे से मौत हो गई, जबकि विजय ने एमके स्टालिन सरकार पर उनकी पार्टी को रैलियां आयोजित करने की अनुमति न देकर भेदभाव करने का आरोप लगाया। शुक्रवार को तमिलनाडु के सलेम में तमिलगा वेट्री कजगम के प्रमुख विजय की रैली के दौरान महाराष्ट्र के 37 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जो सलेम के सेव्वईपेट्टई इलाके में रहते थे और चांदी से संबंधित मजदूरी का काम करते थे। वे विवाहित थे और उनके परिवार में पत्नी और एक बच्चा है। यह घटना विजय द्वारा करूर में आयोजित एक रैली के दौरान हुई भगदड़ के कुछ महीनों बाद हुई है, जिसमें लगभग 40 लोगों की जान चली गई थी। अभिनेता से नेता बने विजय आज भारी पुलिस बल की तैनाती और सख्त प्रवेश नियमों के बीच समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, मृतक, जो पार्टी प्रशासकों के लिए आयोजित बैठक में एक दर्शक के रूप में उपस्थित थे, अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत वहां मौजूद लोगों द्वारा मनिमा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है। इसी बीच, अपनी रैली के दौरान विजय ने एमके स्टालिन सरकार पर आरोप लगाया कि वह तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को राजनीतिक रैलियां आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर रही

है, जबकि अन्य पार्टियों को अनुमति दे रही है। विजय ने कहा कि वह सलेम सिर्फ वोट मांगने नहीं, बल्कि न्याय मांगने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अन्य पार्टियों को अनुरोध करने पर तुरंत अनुमति मिल जाती है, वहीं तमिलगा वेट्री कजगम को अनुमति नहीं दी जाती। विजय ने कहा कि वे अन्य पार्टियों को सम्मेलन, जनसभाएं या हॉल में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति और जगह देते हैं। लेकिन सिर्फ हमें, वे न तो जगह देते हैं और न ही देने देते हैं। अन्य पार्टियों के लिए, वे उपयुक्त स्थान और पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं ताकि वे लोगों से मिल सकें या लोग उनसे मिल सकें। लेकिन मुझे, वे यह प्रदान नहीं करते, न ही देने देते हैं। यह कैसा न्याय है?

आईआईएमटी में ऐतिहासिक ''छात्र संसद'', अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने युवाओं में भरा जोश

विजडम इंडिया।

ग्रेटर नोएडा। आईआईएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, ग्रेटर नोएडा में आयोजित 'बॉर्डरलेस भारत कॉन्क्लेव' के तहत 'छात्र संसद' का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन हुआ, जिसमें चार हजार से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन में देश और दुनिया

की प्रतिष्ठित हस्तियों ने एक साथ मंच साझा किया और युवाओं को नेतृत्व, लोकतंत्र, कूटनीति तथा वैश्विक भारत के विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के.जी. बालकृष्णन, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो ए. कौसिनो, एमबीए चायवाला के संस्थापक प्रफुल्ल बिल्लोरे, शिया स्कॉलर मौलाना डॉ कल्बे रुशैद रिजवी समेत कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला विशेष आकर्षण के केंद्र रहे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की तरह अंतरिक्ष में कोई सीमाएं नहीं होती। आज का युवा बहुत ही काबिल है, सिर्फ उन्हे एक डॉयरेक्शन की जरूरत है। 2047 तक विकसित भारत की बात करते हैं तो यह यूथ ही उसे पूरा करेगा। आज के युवा ही भविष्य के भारत के निर्माता हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के प्रोग्राम के द्वारा छात्रों के बीच हम जो जागरूकता फैला रहे है निश्चित रूप से उनकी बहुत सहायता करेगा। आज के समय में जेन्जी को छोड़कर जेन्जी की हर कोई बात कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मयंक अग्रवाल ने कहा कि

आईआईएमटी हमेशा से राष्ट्र निर्माण और युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि 'बॉर्डरलेस भारत' का उद्देश्य युवाओं को सीमाओं से परे सोचने और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को समझने के लिए प्रेरित करना है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश के. जी. बालकृष्णन ने कहा, "एक जागरूक और शिक्षित युवा पीढ़ी ही लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।" वहीं अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो ए. कौसिनो ने कहा, "देशों की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन विचारों की कोई सीमा नहीं होती। 'छात्र संसद' के वहीं संस्थापक कुणाल शर्मा ने और उपाध्यक्ष आदित्य वेग्डा ने मंच से अपने विचार साझा किए। इस दौरान छात्रों ने भी प्रतिष्ठित हस्तियों से कई सवाल किए।

पीएमओ का नया पता हुआ सेवा तीर्थ नागरिक देवो भव मंत्र के साथ प्रधान सेवक मोदी ने दिया बड़ा राजनीतिक संदेश

एजेंसी।

दिल्ली। उद्घाटन के दौरान मोदी ने 'सेवा तीर्थ' की पट्टिका का अनावरण किया, जिस पर देवनागरी में इसका नाम अंकित है और नीचे 'नागरिक देवो भव' का आदर्श वाक्य लिखा है। यह संदेश सीधे तौर पर शासन व्यवस्था को नागरिक केंद्रित बनाने की सोच को दर्शाता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'सेवा तीर्थ' परिसर का उद्घाटन करते हुए एक बार फिर अपनी उस राजनीतिक और प्रशासनिक सोच को रेखांकित किया, जिसमें सत्ता को सेवा का माध्यम बताने पर जोर रहा है। यह वही विचार है जिसे मोदी वर्षों से "प्रधान सेवक" की अपनी पहचान के साथ जोड़ते रहे हैं। नए परिसर में अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे। अब तक प्रधानमंत्री कार्यालय रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक में स्थित था।उद्घाटन के दौरान मोदी ने 'सेवा तीर्थ' की पट्टिका का अनावरण किया, जिस

पर देवनागरी में इसका नाम अंकित है और नीचे 'नागरिक देवो भव' का आदर्श वाक्य लिखा है। यह संदेश सीधे तौर पर शासन व्यवस्था को नागरिक केंद्रित बनाने की सोच को दर्शाता है। इस मौके पर आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, पीएमओ में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सरकार का कहना है कि इससे समन्वय बेहतर होगा और निर्णय प्रक्रिया तेज बनेगी।यदि पिछले एक दशक के कदमों को देखा जाए तो यह केवल भवन परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रतीकों की राजनीति और प्रशासनिक संस्कृति में बदलाव का प्रयास भी है। 2014 के बाद से केंद्र सरकार ने औपनिवेशिक विरासत से जुड़े नामों और प्रतीकों को बदलने की दिशा में कई फैसले लिए। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ, केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन और प्रधानमंत्री आवास वाले मार्ग का नाम रेस कोर्स रोड से लोक कल्याण मार्ग किया गया।देखा जाये तो 'सेवा तीर्थ' उसी श्रृंखला की अगली कड़ी है, जहां सत्ता के पारंपरिक शक्ति केंद्रों को सेवा और कर्तव्य की भाषा में पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। स्पष्ट है कि मोदी सरकार शासन की भाषा और प्रतीकों को बदलकर एक ऐसा संदेश देना चाहती है, जिसमें सरकार खुद को शासक नहीं, सेवक के रूप में प्रस्तुत करे और 'सेवा तीर्थ' उसी विचार का ताजा उदाहरण बनकर उभरा है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ में पहला फैसला महिलाओं और किसानों के संदर्भ में लिया। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और फिर अपने एक संबोधन के जरिये सबका मार्ग प्रशस्त किया।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीजीआई पुलिस ने 24 घटे में किया चोरी का खुलासा, शातिर अभियुक्तगिरफ्तार, मोबाइल व नकदी बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना पीजीआई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात का सफल अनावरण कर एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी गया ओप्पो मोबाइल फोन तथा 5000 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस संबंध में थाना पीजीआई पर मु0अ0सं0 091ध2026 धारा 305(ए)ध 331(4)ध317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत है।पुलिस के अनुसार 11ध12 फरवरी 2026 की रात्रि को आवास विकास कार्यालय रोड स्थित एक दुकान में अज्ञात व्यक्ति द्वारा घुसकर मोबाइल फोन और गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली गई थी। घटना के अनावरण के लिए थाना पीजीआई पुलिस टीम को सक्रिय किया गया। उपनिरीक्षक परमानन्द सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल नन्दलाल पटेल और कांस्टेबल संदीप कुमार द्वारा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने वृंदावन योजना सेक्टर–09, चिरैया बाग, सेक्टर–11, सेक्टर–16, ग्राम इश्वरी खेड़ा, सेक्टर–12 सहित विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश की।इसी क्रम में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आध ार पर सेक्टर–10 स्थित सीवेज प्लांट के सामने सड़क किनारे पुलिया के पास एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहित यादव पुत्र स्वर्गीय पुत्तीलाल निवासी तकरोही थाना इन्दिरानगर, लखनऊ उम्र लगभग 28 वर्ष बताया। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की जेब से एक काले रंग का ओप्पो मोबाइल फोन तथा जैकेट की जेब से 5000 रुपये नकद बरामद हुए।कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्त ने स्वीकार

किया कि वह भाड़े पर वाहन चलाने का कार्य करता है और पिछले कुछ दिनों से वृंदावन पीजीआई क्षेत्र में ही आ–जा रहा था। पैसों के लालच में उसने 11ध12 फरवरी की रात दुकान में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त सुनसान स्थानों को चिन्हित कर चोरी करता था।जांच में यह भी सामने आया कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी थाना गाजीपुर, लखनऊ में मु0अ0सं0 29ध14 ध ारा 392 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने बरामद माल को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नैनी में युवक की हत्या के बाद तनाव

परिजनों ने किया हंगामा, 4 थानों की फोर्स व पीएसी तैनात, एफआईआर दर्ज, 9 नामजद सहित 11 के खिलाफ एफआईआर, सिपाही सहित आठ गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में नैनी के मड़ौका स्थित एक गेस्ट में गुरुवार को रात मामूली विवाद में युवक की हत्या किए जाने के बाद शुक्रवार को मृतक का शव पहुंचने से पहले परिजनों और ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए मड़ौका रोड जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया लेकिन भीड़ उग्र होती गई।

इसके बाद चार थानों में नैनी, औद्योगिक, बारा, कौंधियारा थाने की फोर्स के साथ पीएसी बल तैनात कर दिया गया। घंटों प्रयास के बाद पुलिस ने घरवालों को किसी तरह से समझा बुझाकर शांत कराया और वापस भेज दिया। मृतक का शव घर पहुंचा तो परिवार में लोग चीत्कार मारकर रोने लगे। पुलिस ने माहौल को देखते हुए तत्काल कड़ी सुरक्षा में शव को अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया। पूरी घटना गुरुवार रात नैनी थाना क्षेत्र के कुशवाहा गेस्ट हाउस के सामने हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार नेनी थाना क्षेत्र के मड़ौका के रहने वाले ननकऊ की बेटी की शादी गुरुवार को थी। बारात कुशवाहा गेस्ट हाउस में आई थी। देर रात 12 बजे बाराती खाना–पीना और नाच–गाना कर रहे थे। इसी

दौरान कुछ बाराती पास में रहने वाले राजेश निषाद के खाली पड़े प्लॉट में पेशाब करने चले गए। उसी प्लॉट में राजेश की गाड़ी खड़ी थी। राजेश ने गाड़ी के पास पेशाब करने का विरोध किया। इस पर कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बात बढ़ने पर गाली–गलौज और फिर मारपीट होने लगी। इसी बीच ननकऊ का भतीजा सुनील कनौजिया भी वहां पहुंच गया।आरोप है कि सुनील ने गेस्ट हाउस में तंदूर पर रखी लोहे की सरिया उठा ली। उसी सरिये से राजेश के चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद चापड़ से भी हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल राजेश खून से लथपथ जमीन पर गिर पड़ा। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।राजेश की मौत की खबर फैलते ही गेस्ट हाउस में अफरा–तफरी मच गई। आक्रोशित परिजनों ने हंगामा और तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना पर एसीपी करछना सुनील सिंह भारी फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस ने पहले भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया, फिर शव को कब्जे में लेने की कोशिश की।मगर परिजनों ने शव को हाथ नहीं लगाने दिया। उनका कहना था कि पहले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और गिरफ्तारी हो, तभी शव उठाया जाएगा। पुलिस ने गेस्ट हाउस से आठ बारातियों को हिरासत में लिया। साथ ही तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बाद भीड़ शांत हुई।नैनी इंस्पेक्टर ब्रज किशोर गौतम ने बताया कि जिस कुशवाहा गेस्ट हाउस में बारात आई थी, वहां से 100 मीटर की दूरी पर राजेश का मकान है। उसके पास ही खाली प्लॉट है। इस प्लॉट में राजेश के माता– पिता की समाधि बनी हुई है और वहीं राजेश की कार खड़ी रहती है। बाराती इसी प्लॉट में टॉयलेट कर रहे थे। राजेश ने इसका विरोध ा किया तो विवाद शुरू हो गया। मारपीट में राजेश की मौत हो गई। परिजनों ने तहरीर दी है। जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर लखनऊमें विशेष ट्रैफिक डायवर्जन, 14 फरवरी रात 12 बजे से लागू होगी व्यवस्था

लखनऊ(आरएनएस)। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर 15 फरवरी 2025 को राजधानी के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक यातायात व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। यह विशेष डायवर्जन व्यवस्था 14 फरवरी 2025 की रात्रि 12 बजे से आवश्यकतानुसार प्रभावी रहेगी, ताकि मनकामेश्वर मंदिर, बुद्धेश्वर मंदिर सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनी रहे और जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

जारी निर्देशों के अनुसार डालीगंज इक्का तांगा स्टैण्ड चौराहा से सामान्य यातायात मनकामेश्वर मंदिर बंधा रोड होते हुए हनुमान सेतु तिराहे की ओर नहीं जा सकेगा। ऐसे वाहन आईटी चौराहा या डालीगंज पुल होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। मनकामेश्वर मंदिर ढाल तिराहा से मंदिर की ओर किसी भी प्रकार का यातायात प्रतिबंधित रहेगा। नदवा बंधा तिराहे से भी मनकामेश्वर मंदिर की दिशा में वाहन नहीं जा सकेंगे और उन्हें आईटी चौराहा अथवा सुभाष चौराहा होकर जाना होगा।बुद्धेश्वर मंदिर क्षेत्र में भी व्यापक प्रतिबंध लागू रहेंगे। बुद्धेश्वर चौराहा की ओर से मंदिर की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे और यातायात को बुद्धेश्वर ओवरब्रिज से होकर भेजा जाएगा। पाल तिराहा से बुद्धेश्वर चौराहा की दिशा में भी वाहनों का आवागमन रोका जाएगा। आगरा एक्सप्रेस–वे की तरफ से सीतापुर रोड की ओर जाने वाले वाहन मोहान मोड़ से तिकोनिया तिराहा होते हुए बुद्धेश्वर ओवरब्रिज के जरिए आगे बढ़ेंगे। दुबग्गा तिराहा से तिकोनिया तिराहा या बाराबिरवा चौराहा की ओर जाने वाले वाहन भी ओवरब्रिज मार्ग से ही संचालित होंगे। बाराबिरवा चौराहा या मानकनगर से सीतापुर रोड अथवा दुबग्गा की ओर जाने वाले वाहन भी बुद्धेश्वर ओवरब्रिज के ऊपर से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।नहर पुल चौराहा (काकोरी मोड़) से सामान्य यातायात बंद्धेश्वर चौराहा, दुबग्गा चौराहा या तिकोनिया तिराहा की ओर नहीं जा सकेगा। ऐसे वाहन पारा थाना के सामने से होते हुए तिकोनिया तिराहा और बुद्धेश्वर ओवरब्रिज मार्ग का उपयोग करेंगे। बालागंज चौराहा से सामान्य यातायात कोनेश्वर मंदिर, घंटाघर तिराहा, चौक चौराहा या चरक चौराहा की ओर नहीं जा सकेगा। इसके स्थान पर वाहनों को हरीनगर होते हुए बंधा ग्रीन कॉरिडोर मार्ग और कुड़ियाघाट के रास्ते भेजा जाएगा। इसी प्रकार चरक चौराहा से चौक या कोनेश्वर मंदिर की ओर जाने वाला यातायात रूमी गेट, कुड़ियाघाट और बंधा ग्रीन कॉरिडोर मार्ग से संचालित किया जाएगा।ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सामान्य यातायात के लिए निर्धारित डायवर्जन मार्गों के अतिरिक्त चिकित्सकीय आपात स्थिति में एम्बुलेंस, फायर सर्विस, स्कूल वाहन और शव वाहन को आवश्यकतानुसार प्रतिबंधित मार्गों पर भी अनुमति दी जाएगी। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

पांच लोगों ने किया युवक की गला दबाकर मारने की कोशिश

मामूली बात पर लाठी-डंडों से पीटा, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज में मामूली विवाद में एक युवक को लाठी–डंडों से जमकर पीटा गया। इसके बाद उसका गला दबाने का भी प्रयास किया गया। आसपास के लोगों के दौड़ने पर हमलावर भाग निकले। घायल युवक ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है, जिसके आधार पर पांच नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषभ केसरवानी लूकरगंज का रहने वाला है और व्यापार करता है। उसने पुलिस को बताया कि बुधवार देर रात 1–1.30 बजे वह अपने प्रतिष्ठान से लौट रहा था। रास्ते में उसकी बुआ का लड़का शैलेन्द्र खड़ा था, जिसे देखकर वह रुक गया।आरोप है कि तभी वहां खड़े मनीष के केसरवानी और शोभित गुप्ता उससे गाली–गलौज करने लगे। आपत्ति करने पर उसे मारना चालू कर दिया। इसके बाद मनीष ने प्रशान्त केसरवानी, सागर केसरवानी और कृष्णा केसरवानी को आवाज लगाकर बुलाया और कहा इसे गैराज में ले चलो। आरोप है कि इसके बाद पांचो मिलकर उसे मारते पीटते हुए गैराज के अंदर ले गए और वहां डंडों से पिटाई की। साथ ही दो लोगों ने जान से मारने की नीयत से उसका गला घोंटने का प्रयास किया। पांचों व्यक्तियों ने कुछ अन्य रिश्तेदारों के साथ मिलकर उसे बुरी तरह पीटा, जिससे कि वह बेहोश हो गया। इसके बाद मरा हुआ समझकर उसके गले से लगभग 24 ग्राम सोने की चेन निकालकर चले गए। कुछ देर बाद होश आने पर वह किसी तरह से वहां से भागा और एक राहगीर की मदद से अपने भाई को फोन किया। इस घटना में उसका पर्स भी गायब हो गया जिसमें 3400 रुपए भी थे।

विधान परिषद में विजय बहादुर पाठक ने उठाया दूषित पेयजल का गंभीर मुद्दा, राज्यभर में जर्जर पाइपलाइन बदलने के लिए व्यापक अभियान की मांग

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य विजय बहादुर पाठक ने नियम 110 के अंतर्गत लोक महत्व का अत्यंत गंभीर विषय उठाते हुए प्रदेश में दूषित पेयजल की आपूर्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और शुद्ध पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधि ाकार है, किंतु वर्तमान में अनेक स्थानों पर गंदे और प्रदूषित पानी की आपूर्ति से जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। सभापति ने विषय की गंभीरता को देखते हुए इसे सरकार को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दिया।विजय बहादुर पाठक ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार घर–घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्यभर में अभियान चलाकर लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, किन्तु स्थानीय निकायों के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अनेक स्थानों पर दूषित जल की आपूर्ति हो रही है, जिससे स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। उन्होंने कहा कि इंदौर में हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री द्वारा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी परिस्थिति में दूषित पेयजल की आपूर्ति न हो, इसके बावजूद प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं।उन्होंने गाजियाबाद से लेकर वाराणसी तक अनेक स्थानों पर गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतों का उल्लेख करते हुए कहा कि आजमगढ़ के आसिफगंज मोहल्ले में लोगों के घरों की टोटियों से नाले का गंदा पानी आने की शिकायत सामने आई। जांच में पाया गया कि नाली और सीवर के बीच से गुजर रही पानी की पाइपलाइन में रिसाव के कारण यह स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि ऐसी घटनाएं महीने में तीन–चार बार तक हो रही हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है।राजधानी लखनऊ की स्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निगम के सदन में उपस्थित 90 में से 63 पार्षदों ने गंदे पानी की आपूर्ति का मुद्दा उठाया। जलकल विभाग की जर्जर और रिसावयुक्त पाइपलाइनों के कारण पेयजल प्रदूषित हो रहा है। इंदिरानगर, उदयगंज का हैवल मार्ग, खदरा, जानकीपुरम विस्तार और आलमबाग के आजादनगर क्षेत्रों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि लोगों को दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है।उन्होंने कहा कि पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता अब लोगों के लिए जानलेवा बनती जा रही है। पानी की जांच का दायित्व मुख्य रूप से जलकल और स्वास्थ्य विभाग के पास है, किंतु कई बार जांच के बाद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती और कुछ मामलों में भ्रामक प्रतिवेदन के आधार पर शिकायतों का निस्तारण कर दिया जाता है, जो अत्यंत गंभीर विषय है।विजय बहादुर पाठक ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाकर टूटी और जर्जर पेयजल पाइपलाइनों को बदला जाए, ।

ज्वेलरी शाप का शटर तोड़ 60 लाख के आभूषण चोरी

100 ग्राम सोना और 15 किलो चांदी के जेवर चुराए

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के सदर बाजार चौराहे पर गुरुवार रात चोरों ने एक ज्वेलरी दुकान में करीब 60 लाख रुपए के आभूषण चोरी कर लिए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार कैन्ट थाना क्षेत्र के गंगानगर निवासी चंदन की थाना क्षेत्र के ही सदर बाजार चौराहे पर ज्वेलरी शॉप है। दुकान संचालक चंदन ने बताया कि वह रोज की तरह गुरुवार रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर गंगानगर स्थित अपने घर चले गए थे। सुबह करीब 7 बजे दुकान के सामने चाय लगाने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर बताया कि दुकान का शटर टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान का शटर तोड़ा गया था। अंदर जाने पर पाया कि चोरों ने भीतर लगा कांच का दरवाजा भी तोड़ दिया था। इसके बाद बदमाश दुकान में रखे लगभग 100 ग्राम सोने और 15 किलो चांदी के आभूषण उठा ले गए। चंदन के मुताबिक चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 60 लाख रुपये है।दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना कैद हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डीवीआर कब्जे में ले लिया है और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की कोशिश

की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और इलाके में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। खबर लिखे जाने तक पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी हुई थी।

वधानसभा में आराधना मिश्रा मोना ने उठाया सड़क दुर्घटनाओं का मुद्दा, चिन्हित दुर्घटना क्षेत्रों पर ठोस कार्रवाई की मांग

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश विधानसभा, 13 फरवरी। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने आज विधानसभा में नियम 56 के अंतर्गत प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उनसे हो रही मौतों का गंभीर मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर योगी आदित्यनाथ रकार द्वारा किए जा रहे प्रयास अपर्याप्त हैं और चिन्हित दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों पर ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाने की तत्काल आवश्यकता है।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधि ाक जनसंख्या वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ से अधिक लोग निवास करते हैं और प्रतिदिन लाखों लोग सड़कों के माध्यम से यात्रा करते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि प्रदेश सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में भी शीर्ष स्थान की ओर बढ़ रहा है। तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, नशे की हालत में ड्राइविंग और यातायात नियमों की अनदेखी प्रमुख कारण हैं, किंतु उससे भी बड़ा कारण दुर्घटनाओं के मूल कारणों की अनदेखी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हादसे के बाद गहन समीक्षा और सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाते, जिसके कारण एक ही स्थान पर बार–बार दुर्घटनाएं हो रही हैं।

उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश में 56 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं तेज रफ्तार के कारण, 12 प्रतिशत मौतें गलत दिशा में वाहन चलाने से और 8 प्रतिशत नशे में वाहन चलाने से हो रही हैं। प्रतिवर्ष लगभग 45 हजार से अधिक सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें 24 हजार से अधिक लोगों की असमय मृत्यु हो रही है। वर्ष 2014 में सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या लगभग 16 हजार थी, जो 2024 में बढ़कर 24 हजार से अधिक हो गई है। इसका अर्थ है कि प्रतिदिन औसतन 65 लोगों की जान जा रही है, यानी हर घंटे लगभग तीन मौतें और हर 20 मिनट में एक परिवार उजड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन मृतकों में 50 प्रतिशत से अधिक युवा हैं, जो देश और प्रदेश का भविष्य थे।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि अकेले आगरा जिले में 44 चिन्हित दुर्घटना क्षेत्र हैं, जहां वर्ष 2024 में 586 लोगों की जान चली गई। ये क्षेत्र पहले से चिन्हित हैं, लेकिन वहां केवल औपचारिक और प्रतीकात्मक प्रयास किए गए, जिनसे कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। बाराबंकी देश के प्रमुख 100 दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में शामिल है। उन्होंने सरकार से पूछा कि सड़कों के विन्यास, तकनीकी खामियों और संरचनात्मक सुधारों पर क्या गंभीरता से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने हाल के हादसों का उल्लेख करते हुए कहा कि मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर बस से उतर रहे 10 लोगों को अनियंत्रित डंफर ने कुचल दिया, रायबरेली में गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि यह मार्ग अभी पूर्ण रूप से शुरू भी नहीं हुआ है। कानपुर में अत्यधिक गति के कारण 10 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी तक चलाया गया सड़क सुरक्षा अभियान केवल प्रचार तक सीमित रहा और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई।आराध ाना मिश्रा मोना ने सुझाव दिया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में चिन्हित दुर्घटना क्षेत्रों पर विशेषज्ञों द्वारा अभियांत्रिकीय परीक्षण कराकर सड़क की संरचना, डिजाइन और सुरक्षा प्रबंधों में तत्काल सुधार किया जाए। यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक वाहन हैं, जबकि यातायात पुलिस के मात्र 9000 कर्मी तैनात हैं, जबकि स्वीकृत पद 11930 हैं और आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति के मानकों के अनुरूप कम से कम 30 हजार यातायात कर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए।

सरोजिनी नायडू हास्टल में वार्षिकोत्सव के प्री इवेंट का शुभारंभ

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सरोजिनी नायडू हॉस्टल में वार्षिक उत्सव के अंतर्गत प्री–इवेंट्स का शुभारंभ उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। मुख्य वार्षिक समारोह 21 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जबकि 13 से 19 फरवरी तक विभिन्न प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।13 फरवरी का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह भारत कोकिला सरोजिनी नायडू की जयंती एवं राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर उत्सव श्रृंखला का उद्घाटन किया गया। पहले दिन क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। क्विज प्रतियोगिता में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया, वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे परिसर में ऊर्जा, प्रतिस्पर्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की आयोजक लता चौरसिया, सौम्या शुक्ला और चंद्रकला हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरोज उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता का विकास होता है।

25 लाख रुपए की कीमत की 125 मोबाइल फोन बरामद

मोबाइल फोन के स्वामियों को किया वापस

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट नगर क्षेत्र द्वारा अभियान चलाकर चोरी और खोए हुए मोबाइलों की रिकवरी के लिए काम शुरू किया गया। जिसके बाद सर्विलेंस सेल और एसओजी टीम द्वारा चोरी गए या खोए हुए 125 मोबाइल जिनकी अनुमानित कीमत 25 लाख रुपए है को बरामद किया गया है। बरामद किए गए फोन उनके स्वामियों को वापस दे दिया गया।यह जानकारी देते हुए डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने बताया कि सी आर आई के मदद से खोए हुए मोबाइल या चोरी हुए मोबाइल हो का लोकेशन ट्रेस कर उनकी बरामद की की गई है। आगे और भी मोबाइलों को ट्रेस करने या बरामद करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सी आर आई पोर्टल में रजिस्टर्ड हुए मोबाइल का लोकेशन अभी और ट्रेस किया जा रहा है और जल्दी ही इसमें सफलता पाने की पूरी उम्मीद है।खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाने के इस अभियान ने, न केवल नागरिकों को उनकी बहुमूल्य वस्तुएं लौटाई है, बल्कि उनके महत्वपूर्ण निजी डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की है। खोए हुए मोबाइल को वापस पाकर मोबाइल स्वामियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।सर्विलांस सेल नगर टीम द्वारा जनता से अपील की गयी कि भविष्य में गुम होने वाले मोबाइल फोन के सम्बन्ध ा में सूचना अपने सम्बन्धित थाने के माध्यम से पोर्टल पर मोबाइल रशीद, पहचान पत्र के साथ अपलोड कराये अथवा स्वयं उक्त पोर्टल के माध्यम से सूचना दर्ज करवा सकते हैं । सूचना पोर्टल पर अपलोड होने के बाद आपके द्वारा दिये गये मोबाइल नम्बर पर रिक्वेस्ट नम्बर प्राप्त होगा और यदि भविष्य में कभी भी किसी व्यक्ति के द्वारा आपका मोबाइल फोन प्रयोग किया जायेगा।

टीबी एवं कैंसर की जांच को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप

मौके पर छः क्षयरोगियों की हुई पहचान

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में जनपद में कल 100 कैंप टीबी एवं कैंसर का आयोजित किया जाना था, जिसके क्रम में आज डॉ. भारत भूषण के निर्देशन में रायबरेली रोड अमहट पुलिस चौकी के पास काशीराम कॉलोनी में एक कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आरके कनौजिया, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता, एनसीडी क्लीनिक के चिकित्सा अधिकारी डॉ. इमरान युसूफ, डॉ. पवन कुमार गुप्ता की मौजूदगी में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में टीबी की जांच स्तन,

गर्भाशय ग्रीवा, मुख कैंसर की जांच, शुगर की जांच, हाइपरटेंशन की जांच आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ आभा आईडी भी बनाया गया। जिसमें कुल 73 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग किया गया, केंद्र सरकार से प्राप्त हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीन से डीआरए नाजनीन के द्वारा सभी 73 व्यक्तियों का सीने का एक्सरे किया गया, जिसमें कुल 6 लोगों में टीबी के लक्षण पाए गए। जिनका बलगम का सैंपल लेकर जांच किया गया तथा शुगर के साथ लोग हाइपरटेंशन के 11 लोगों पाए गए।

सड़कों पर कांग्रेसियों का हुजूम, सरकार पर बरसे कांग्रेसी

मनरेगा को कमजोर करने की साजिश को नहीं सफल होने देगी कांग्रेसरू बीपी सिंह

सुल्तानपुर(आरएनएस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सुल्तानपुर में कांग्रेसियों ने ”मनरेगा बचाओ संग्राम“ के तहत जोरदार पदयात्रा निकाली। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व ब्लॉक अध्यक्ष रामभवन पांडेय के नेतृत्व में सदर विधानसभा (जयसिंहपुर) क्षेत्र में निकली इस पदयात्रा में कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में मनरेगा श्रमिकों और महिलाओं की भागीदारी रही। पदयात्रा का शुभारंभ जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के बगिया चौराहे से हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जॉब कार्ड धारकों ने हाथों में मनरेगा बचाओ संग्राम का बैनर महात्मा गांधी की फोटो और कांग्रेस का झंडा लेकर मनरेगा के समर्थन में नारेबाजी की। बगिया चौराहे से शुरू हुई यात्रा सदरपुर जयसिंहपुर गाँव कान्हापुर सुकुलबिजौली होते हुए जयसिंहपुर तहसील मुख्यालय पहुंची, जहां नुक्कड़ सभा के साथ पदयात्रा का समापन हुआ। इस दौरान अखिल भारतीय

कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पश्चिम बंगाल स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य बीपी सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। जनपद की विधानसभा कादीपुर सुल्तानपुर व सदर विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेसियों ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत पदयात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। जगह–जगह ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया और मनरेगा योजना को कमजोर किए जाने के खिलाफ आवाज बुलंद की। सुल्तानपुर 188 विधानसभा की पदयात्रा जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से सुपर मार्केट डाकखाना चौराहा गन्दानाला अस्पताल चौराहा रोडवेज बस स्टेशन से विकास भवन के सामने से होते हुए पंत स्टेडियम होकर लाल डिग्गी चौराहे तक निकाली गई, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों के हक पर डाका डाल रही है। मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा, बजट में कटौती की जा रही है और काम के अवसर घटाए जा रहे हैं।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने मुरादाबाद मंडल के आलमनगर-रोजा रेलखंड का गहन निरीक्षण किया

काकोरी स्टेशन पर शहीद पार्क का निरीक्षण और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन

चयनित रेलखंडों पर 121 किमी घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल

संवाददाता।

लखनऊ/नई दिल्ली उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले आलमनगर से रोजा रेलखंड का गहन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं श्रीमती विनीता श्रीवास्तव, मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद मंडल उपस्थित रहें। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य संरक्षा (fety), परिचालन गुणवत्ता और यात्री सुविधाओं का जायजा लेना तथा उन्हें और अधिक सुदृढ़ करना था।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने आलमनगर से काकोरी, मलिहाबाद, संडीला, बालामऊ, हरदोई और रोजा सहित विभिन्न स्टेशनों, यार्डों और रेल कॉलोनियों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने काकोरी स्टेशन पर श्शहीद पार्कश का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में काकोरी स्टेशन के ऐतिहासिक योगदान को याद किया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बालामऊ में उन्होंने नई क्रू लॉबी और स्वास्थ्य इकाई (Health Unit) का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने रनिंग रूम, लेवल क्रॉसिंग (फाटकों), ब्रिजों और ट्रैक कर्व का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चयनित रेल खंडों पर 121 किमी प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न किया गया, जो रेलखंड की मजबूत क्षमता को दर्शाता है। हरदोई और अन्य स्टेशनों पर गैंग, यूएसएफडी (USFD) और स्मॉल ट्रैक मशीनों का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने ट्रैक की सुरक्षा और तकनीकी मानकों पर विशेष बल दिया।ष्रेलवे की प्राथमिकता संरक्षा और यात्री सुविधा है। आज का यह निरीक्षण परिचालन गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे कर्मचारियों से संवाद निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ग्राउंड स्तर पर तैनात कर्मचारियों से सीधा संवाद किया और उन्हें संरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

तहसील सदर जहां अधिकारियों के आदेश का होता है सौदा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। खण्ड शिक्षा अधिकारी कुड़वार रोजी सिंह ने जूनियर हाईस्कूल भण्डरा की जमीन पर हुए अवैध निर्माण को हटाए जाने के लिए उपजिलाधिकारी सदर से राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन कराए जाने के लिए दिनांक 12ध्11ध्25 को किए गए पत्राचार पर उपजिलाधिकारी सदर विपिन द्विवेदी द्वारा तहसीलदार सदर सुल्तानपुर को कार्रवाई करने हेतु आदेश जारी किया गया था जिस पर तहसीलदार सदर देवानंद तिवारी ने नायब तहसीलदार कुड़वार धर्मेंद्र यादव और राजस्व निरीक्षक कुड़वार शिव प्रसाद कनौजिया को अपने पत्रांक संख्या 7606 दिनांक 19ध्11ध्25 को कार्यवाही किए जाने हेतु आदेश जारी किया। जिस पर नायब तहसीलदार कुड़वार धर्मेंद्र यादव द्वारा जांच भी कराई गई, जांच में जुनियर हाई स्कूल की जमीन पर अवैध निर्माण पाया भी गया है यही से नायब तहसीलदार कुड़वार धर्मेंद्र यादव द्वारा मामले में सौदे बाजी का खेल शुरू हो गया। पूरे मामले में अवैध कब्जे दरों को लाभ पहुंचाने के लिए अपने उच्चाधिकारी के आदेश को ही दबा दिया गया।

पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम पूरा कर वापस लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

सुलतानपुर(आरएनएस)। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर के 40 विद्यार्थियों का दल, जो उत्तराखंड में आयोजित पांच दिवसीय शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट पर गया था, आज सकुशल विद्यालय लौट आया। विद्यार्थियों के आगमन पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला। छात्रों का स्वागत जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी करम सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी एवं समस्त शिक्षकगण द्वारा बड़ी गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि 8 फरवरी को इस शैक्षणिक दल को जिले के प्रतिष्ठित राजनीतिक एवं समाजसेवी, विधान परिषद सदस् शैलेंद्र प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। विद्यार्थियों ने उत्तराखंड स्थित भारतीय वन अनुसंधान संस्थान,

देहरादूनय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की तथा पतंजलि विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह यात्रा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री की छात्र–केंद्रित एवं दूरदर्शी सोच को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक ज्ञान के साथ–साथ अन्य राज्यों की संस्कृति, इतिहास, भाषा, वैज्ञानिक उपलब्धियों और शैक्षणिक वातावरण से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। पांच दिनों तक चले इस भ्रमण में छात्रों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों एवं शैक्षणिक परिसरों का अवलोकन किया तथा विशेषज्ञों से संवाद कर नई जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह जी ने कहा कि अनुभवात्मक शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है। उप जिलाधिकारी करम सिंह ने छात्रों के अनुशासन और जिज्ञासा की सराहना की। प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने मार्गदर्शी शिक्षकों पंकज कुमार एवं जयप्रकाश यादव के सफल नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह यात्रा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

दोस्तपुर ब्लाक में मुख्यमंत्री के सपनों पर कीचड़

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले का सबसे भ्रष्ट ब्लॉक बनने की होड़ अगर कहीं दिखती है तो वह है दोस्तपुर। ब्लॉक दोस्तपुर की ग्राम पंचायत बनी में बना तथाकथित अमृत सरोवर आज खुद अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। अम्बेडकर पार्क के बगल में बना यह सरोवर गाँव की शान नहीं बल्कि सरकारी धन की खुली लूट का स्मारक बन चुका है। मुख्यमंत्री का सपना था कि हर गाँव में अमृत सरोवर बने। जल संरक्षण हो, सौंदर्यीकरण हो, ग्रामीणों को बैठने की व्यवस्था हो, स्वच्छता हो। लेकिन बनी ग्राम सभा में हालात यह हैं कि न बैरिकेडिंग, न बेंच, न इंटरलॉकिंग, न साफ–सफाई। हालत इतनी बदतर कि गाँव के बीच के पुराने गड्ढे से भी ज्यादा जर्जर दिखाई देता है यह अमृत सरोवर। सवाल उठता है आखिर लाखों रुपये गए कहाँ। जब सचिव के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाले सुषमा के भाई धर्मेन्द्र से फोन पर बात की गई तो उनका जवाब बेहद सीधा और बेशर्मी से भरा था जितना पैसा निकला है उतना काम हुआ है। यानी कागजों में सब चकाचक, जमीन पर सब ध्वस्त। वहीं जब खंड विकास अधिकारी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने पत्रकार को ब्लॉक बुलाने की सलाह दे दी आ जाइए फाइनल चेक कर बताते हैं। गलती हुई तो खुद एफआईआर कराएंगे। सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार की तस्वीरें देखने के लिए भी अब पत्रकार को ब्लॉक में हाजिरी लगानी पड़ेगी? क्या जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी सिर्फ फाइलों तक सीमित है। जिलाधिकारी महोदय मीडिया का काम फाइलें पलटना नहीं जमीन पर सच्चाई दिखाना है। गाँव के एक जागरूक व्यक्ति ने जब मौके पर स्थिति दिखाई तो तस्वीरें खुद बयां कर रही हैं कि अमृत के नाम पर कैसे विकास को डुबोया गया है। क्या मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना सिर्फ फोटो सेशन और उद्घाटन तक सीमित रह जाएगी। क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी कागजों में संतोषजनक बताकर दफन कर दिया जाएगा।

हत्या का नामजद आरोपी 12 घंटे में गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

सुलतानपुर(आरएनएस)। थाना गोसाईगंज पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 फरवरी को पूर्णमासी यादव पुत्र रामचरित्र निवासी खुर्द थाना बेवाना जनपद अम्बेडकरनगर ने थाना गोसाईगंज में सूचना दी कि उनके जीजा लालबहादुर यादव पुत्र रामबचन यादव निवासी ग्राम बसौंहा थाना गोसाईगंज जनपद सुलतानपुर ने उनकी बहन सुनीता (40वर्ष) की हत्या कर दी है। मृतका के पति की उम्र लगभग 43 वर्ष बताई जा रही है। सूचना के आधार पर थाना गोसाईगंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर चारू निगम के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में विशेष अभियान चलाया गया। प्रभारी निरीक्षक रामअशीष उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त लालबहादुर यादव को 13 फरवरी 2026 को सुबह 8:05 बजे ग्राम बैदहा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

लुटेरी दुल्हन गैंग का पुलिस ने किया भण्डाफोड़

सुल्तानपुर(आरएनएस)। कभी नीले ड्रम को चर्चा में लाने वाली मुस्कान की हरकतों ने विवाहिता जीवन जी रहे पतियों के चेहरे पर खौफ पैदा कर दिया था और देश में मुस्कान के कारनामों की चर्चा हो रही थी तो इसी बीच एसपी चारु निगम ने सुल्तानपुर का चार्ज लेते की एक सप्ताह के भीतर एक नई मुस्कान के गैंग का पर्दाफाश कर फिर से मुस्कान नाम को चर्चा में ला दिया है। दरअसल चारू निगम की टीम ने धनपतगंज थाने में दर्ज एक मामले में मुस्कान जोकि पकड़ी गई लुटेरी दुल्हन सुमन का उपनाम है उसके गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ा है। इस बार की मुस्कान नीले ड्रम की वजह

से नहीं बल्कि लाल जोड़ो के वेशभूषा के लिए जानी जाएगी जो कि दुल्हन बनाकर युवकों को लूटने का काम करती थी। बकायदे मंदिर में शादी करती और प्लान के मुताबिक अपने गैंग की महिला और पुरुष सदस्यों को साथ लाकर बीच रास्ते में दूल्हे और उसके परिवार को लूटने का काम करती थी। मुस्कान के तीन बच्चे भी हैं और गिरोह में चार अन्य सदस्य भी है, फिलहाल धनपतगंज थाने की पुलिस ने इस गैंग को धर दबोचा है और गैंग के दो अन्य सदस्यों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है लेकिन मुस्कान का नाम इस बार नीले ड्रम से नहीं बल्कि लाल जोड़े को पहन कर उसे बदनाम करने के लिए जाना जाएगा

सराही गयी ”आपरेशन सिंदूर“ की प्रस्तुति

जौनपुर(आरएनएस)। पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों हेतु जनपद स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मो० हसन इंटर कॉलेज के खेल मैदान में किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार ”हमारा आंगन, हमारे बच्चे“ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिवार के बच्चों को कायाकल्प के माध्यम से बेहतर शैक्षिक वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे बच्चों में ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हो। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से ”ऑपरेशन सिंदूर“ की प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों की विशेष सराहना की गई। उन्होंने कहा कि बच्चों को यदि खेल का अवसर मिले तो वे निश्चित रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। विद्यालयों में खेल परिसर विकसित किए जा रहे हैं, जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का विकास करें और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित हों। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने उपस्थित गणमान्य का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति तथा खेल एवं संस्कृति के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया।

शादी समरोह मे असलाह लहराकर दहशत फैलाने वालो के खिलाफ गोवर्धन पुलिस ने की सख्त कार्यवाही

-तीन थार गाड़िया जब्त, थार स्वामियों सहित 20 अज्ञात कार सवार युवकों के विरुद्ध अभियोग हुआ दर्ज

(मथुराध्गोवर्धन)(ए.के.शर्मा)

थाना गोवर्धन पुलिस ने शादी समारोह के दौरान गांव में दहशत फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन महंगी थार गाड़ियों को जब्त कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की है। पुलिस अन्य वाहनों व आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार ग्राम देवसेरस थाना गोवर्धन क्षेत्र में 10

दिसंबर को स्थानीय निवासी की पुत्री की शादी थी। इस विवाह समारोह में ग्राम अंगरावली कामा (राजस्थान) से बारात आई थी। बारात में शामिल कुछ लोग महंगी–महंगी गाड़ियों में सवार होकर गांव की संकरी गलियों में तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने लगे।

आरोप है कि कुछ युवक गाड़ियों की छत पर बैठकर और सनरूफ से बाहर निकलकर अवैध असलहे (तमंचा, पिस्टल) लहराते हुए हूटर बजा रहे थे तथा डीजे को अत्यधिक तेज आवाज में बजाया जा रहा था। इतना ही नहीं कई लोगों द्वारा फायरिंग भी की गई जिससे गांव के लोग भयभीत हो गए और अपने घरों के दरवाजे–खिड़कियाँ बंद कर छिपने को मजबूर हो गए।

इस घटना की वीडियो गांव के कुछ लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी, जो वायरल हो गई। मामले की जांच में घटना सही पाई गई। इसके बाद थाना गोवर्धन पर धारा 191(2)ध191(3)ध190 बीएनएस व 7 सीएलए एक्ट के तहत करीब 20 अज्ञात कार सवार व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। गोवर्धन पुलिस ने विवेचना के दौरान कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को बरामद कर लिया है, जबकि अन्य वाहनों की तलाश जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शादी–विवाह जैसे आयोजनों में हथियारों का प्रदर्शन, हूटर का प्रयोग, तेज डीजे और फायरिंग कर माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारीयों को लेकर नगर आयुक्त ने ली बैठक

-सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाओ को दुरुस्त करने के दिए सख्त निर्देश

-स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल व्यवस्था मे बर्दाश्त नहीं होंगी किसी भी प्रकार की लापरवाही,देना होगा विशेष ध्यान-नगर आयुक्त

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

जनपद मे महाशिवरात्रि पर्व की तैयारीयों को लेकर नगर निगम स्तर की समस्त व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में नगर निगम के सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के सख्त निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोनल सेनेटरी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए बताया गया कि सभी शिव मंदिरों के आसपास एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए तथा नियमित रूप से चूना छिड़काव कराया जाए। मथुरा के प्रमुख शिव मंदिरकृ भूतेश्वर महादेव, रंगेश्वर महादेव, गोकर्ण महादेव, गरतेश्वर महादेव तथा वृंदावन स्थित गोपेश्वर महादेव मंदिर पर तीन शिफ्ट में विशेष सफाई व्यवस्था की जाए। मंदिर परिसरों में अतिरिक्त कूड़ा गाड़ियाँ तैनात की जाएँ। जलकल विभाग को निर्देश दिए गए कि प्रमुख मार्गों एवं मंदिरों के आसपास पेयजल टैंकर लगाए जाएँ तथा मोबाइल टॉयलेट स्थापित किए जाएँ। सीवर लीकेज अथवा ओवरफ्लो की स्थिति न बने, इसके लिए सतत निगरानी रखी जाए।

मुख्य अभियंता (निर्माण) को निर्देश दिए गए कि शिव मंदिरों से जुड़े सभी मार्गों को गड्ढामुक्त किया जाए। जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ तत्काल पैच वर्क कराया जाए।

सभी मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही कांवड़ियों के लिए रात्रिकालीन स्ट्रीट लाइटें सुचारु रूप से चालू रखी जाएँ। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकतानुसार बैरिकेटिंग कराई जाए। नगर आयुक्त ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व के दौरान मथुरा–वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम का मुख्य उद्देश्य है।

बैठक में अपर नगर आयुक्त चन्द्र प्रकाश पाठक अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान महाप्रबंधक (जल) मुख्य अभियंता सिविल नगर स्वास्थ्य अधिकारी सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता उपस्थित रहे।

पेयजल के लिये भटक रहे गांव के लोग

जौनपुर।(आरएनएस) सिरकोनी विकास खण्ड के हौज ग्राम सभा की अभेरवा पुरवा के लोग पेयजल के लिए मजबूर हो गए है।गांव के लोग दो किमी दूर से पेयजल के लिए पानी लाने को मजबूर हैं। ज्ञात हो कि मुरारपुर ग्रामसभा में स्थापित जलनिगम की टँकी की मोटर सात फरवरी को जल गयी थी।जिसके चलते लगभग हौज,मुरारपुर,अभेरवा,कादीपुर, संघईपुर, सुरहुरपुर,समोपुर,ऊँचवापर, सहित लगभग दर्जन भर गांव में पेयजल का संकट उतपन्न हो गया है।अन्य गांव के लोग तो किसी प्रकार पेयजल का पानी गांव में 100 –200 मीटर पर पा जा रहे है।परंतु अभेरवा गांव में निजी बोरिंग का पानी खारा होने के चलते गांव के लोग घर से लगभग दो किमी दूर राजमार्ग पर स्थित टोलप्लाजा के पास से ले जाने को मजबूर हैं।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं।डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव–भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है।पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश–ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि "आपत्तिजनक" या "भ्रामक" सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं

होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब–जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं।वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन–देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा–सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा।आगामी ई–समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता–इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है।

सम्पादकीय

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार–बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे।

मगर इस पर घंटों तक टाल–मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया– जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टतरू ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त–व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर प्रश्न है कि किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? सरकार के पास कुछ ढकने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि वह तुरंत किताब प्रकाशन की मंजूरी दे, ताकि देश तत्कालीन सेनाध्यक्ष के अनुभव उनके ही शब्दों में जान सके।

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चौनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना।

इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं।

एक दूसरी धारणा इनको प्रयोग मानने की है। माना जा रहा है कि ब्राह्मणवादी हिंदुत्व को कमजोर करने और बहुजन आधारित हिंदुत्व को मजबूत करने के प्रयोग के तौर पर ये दोनों काम हुए हैं। हिंदुत्व का चेहरा तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ है ही। अब इन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिससे इधर उधर भाग रही पिछड़े, दलित और आदिवासियों को इनके चेहरे के ईर्द गिर्द गोलबंद किया जाए। अगडों को निशाना बना कर यह काम किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा मान रही है कि अगड़ी जातियों के लोग मजबूरी में उसको वोट करेंगे इसलिए उनकी ज्यादा परवाह करने की जरुरत नहीं है। ध्यान रहे शंकराचार्य का पद ही ऐसा है, जो वेदपाठी, संस्कृत जानने वाले ब्राह्मण के लिए होता है।

शंकराचार्य ही शंकराचार्य नियुक्त करते हैं। बाकी कथावाचक कोई भी बन सकता है और महामंडलेश्वर का क्या है वह तो हिंदी सिनेमा की एक अभिनेत्री भी बन गई थी, जिसको अब हटाए जाने की खबर है।

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत–बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण।

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र–आंदोलन से उभरा था। चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात–ए–इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42–68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत–बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता–आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू–राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश (+2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से ष्बहुत मैत्रीपूर्णष चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन–भावना भी प्रभावित हो रही है। वहीं, जमात–ए–इस्लामी का प्रभाव और पाक–चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी ष्समानता–आधारितष पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता–आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

अजीत द्विवेदी

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है? लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है।

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी।

एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं!केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था।ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया। सोचें, इससे पहले कब अभिभाषण को लेकर इस तरह की आपत्ति राज्यपाल जताते थे? यह न्यू इंडिया की पिछले 12 साल की परिघटना है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार अभिभाषण में नुक्स निकालेंगे, उसे पढ़ने से मना कर कर देंगे या मनमाने तरीके से कुछ हिस्सा पढ़ेंगे और कुछ छोड़ देंगे।

अब तक यह परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण को शब्दशरू पढ़ेंगे। लेकिन इन दिनों राज्यपालों को भाजपा विरोधी पार्टियों की सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण पढ़ने में बहुत कष्ट हो रहा है क्योंकि उसमें खुद राज्यपालों की भूमिका की आलोचना होती है और केंद्र सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए जाते हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल कार्यालय ने उनके अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी बताया है कि उसमें श्आधो अधूरे दावे और गुमराह करने वाली बातेंच थीं। ध्यान रहे अभिभाषण चाहे राष्ट्रपति का हो या राज्यपालों का उसमें सरकारें अपनी उपलब्धियां ही बताती हैं वो सही हैं या गलत यह जांच करना राष्ट्रपति या राज्यपाल का काम नहीं होता है। पहले कोई भी इनकी जांच नहीं करता था। लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन यह अपवाद के लिए ही कहीं देखने को मिला होगा कि राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकारों की ओर से तैयार अभिभाषण पढ़ने से किसी राज्यपाल ने इनकार किया हो या उसमें सुधार किया हो।लेकिन अब यह इतनी सामान्य परिघटना हो गई है कि भाजपा विरोधी शासन वाले राज्यों का हर राज्यपाल अभिभाषण में सुधार करवा रहा है या पढ़ने से इनकार कर रहा है या अधूरा पढ़ रहा है। विधानसभा से पास विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखना भी एक सामान्य परिघटना हो गई है और कानून व्यवस्था के नाम पर सरकार के कामकाज में अड़ंगेबाजी या उसकी आलोचना भी एकदम सामान्य बात हो गई है। इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है। आगे जब केंद्र की सरकार बदली तब भी यह परंपरा जारी रहेगी और उससे राज्यों में स्थायी टकराव करी संभावना बनी रहेगी। इसलिए इसे रोका जावा चाहिए। ध्यान रहे देश में लंबे समय से इस बात की चर्चा होती रही है कि राज्यपाल का पद जरूरी है या नहीं। इसे चेक एंड बैलेंस के लिए बनाया गया था लेकिन राज्यपाल चेक एंड बैलेंस का काम सिर्फ उन्हीं प्रदेशों में करते हैं, जहां केंद्र सरकार की विरोधी पार्टी की सरकार होती है।

अजादी के बाद 78 साल का अनुभव यह बताता है कि राज्यपाल का पद होने से राज्य के कामकाज पर कोई गुणात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। यह सिर्फ टकराव बढ़ाने के काम आता है। वैसे भी भारत में शासन की जो प्रणाली अपनाई गई है उसमें चुने हुए मुख्यमंत्री के ऊपर दबाव बनाने .या उसे काम करने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। इसलिए इस बात पर सहमति रही है कि राज्यपालों को अधिकार नहीं मिलना चाहिए और उन्हें राजकाज में दखल से रोकना चाहिए। फिर भी अगर अभी राज्यपाल का पद नहीं समाप्त किया जाता है तो कम से कम अभिभाषण की प्रथा खत्म कर देनी चाहिए। यह एक तमाशा है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं। देश के एक विद्वान राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने इसके लिए बहुत प्रयास किया था। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और चंद्रशेखर दोनों को कई बार कहा कि संविधान के अनुच्छेद 87 और 176 में संशोधन करके राष्ट्रपति और राज्यपालों के अभिभाषण की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाए। आर वेंकटरमन के प्रयासों के 35 साल बाद अब यह अनिवार्य हो गया है कि ये दोनों अनुच्छेद बदले जाएं और अभिभाषण की व्यवस्था समाप्त हो।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीचसामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे।

वृष राशि–
आज का दिन सामजिक कार्यों में लगा रहेगा। समाजिक सुधार के कारण आपके पड़ोसी आपकी तारीफ कर सकते है और साथ ही आपका पूरा साथ देंगे। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन राशि–
आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। धर्म के सिलसिले में किसी पंडाल में भी जा सकते है। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन रोमांचक रहने वाला है।

कर्क राशि–
आज का दिन बेहतरीन होगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा।आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो।

सिंह राशि–
आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आने का योग बन रहा है। आपके व्यापार में दो गुना वृद्दि होने के चांस बन रहे है।

कन्या राशि–
आज का दिन किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से हो जाएंगे। संगीत में रुझान वालों के लिए आज के दिन किसी बड़े शो में गाने का ऑफर आ सकता है।

तुला राशि–
आज का दिन लॉ के स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करने से आपके अच्छे मार्कस प्राप्त हो सकते है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन लवमेट वालों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम में आ रही बाधाएं आज खत्म हो जाएंगी। विवाहित आज जीवनसाथी से ऐसा वादा न करें जो वे पूरा न कर सकें।

धनु राशि–
आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए

मकर राशि–
आज का दिन पूरा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ रात को बाहर डिनर पर भी जा सकते हैं। आज आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं ,

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। अगर आप नयी जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं।

मीन राशि–
आज का दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार

बाराबंकी में मुख्तार अंसारी के शूटर रहे बब्बी की गोली मारकर हत्या, 4 जगह लगी गोलीयां फिल्मी अंदाज में हुई वारदात

बाराबंकी बाराबंकी अंसारी के शार्प शूटर रहे शुएब महमूद किदवाई उर्फ बॉबी की शुक्रवार दोपहर सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई। लखनऊ से कचेहरी आते समय बदमाशों ने कार को घेर बाबी पर ताबड़तोड़ 10 राउंड फायर किया। हत्या में प्रयुक्त असलहा प्रतिबंधित बोर के भी बताए जा रहे हैं। एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। शूटरों की तलाश में बाराबंकी सहित आसपास जिले की पुलिस को भी लगाया गया है मुख्तार अंसारी के करीबी शोएब किदवई की हत्या। । मुख्तार अंसारी के शार्प शूटर रहे शुएब महमूद किदवाई उर्फ बॉबी की शुक्रवार दोपहर सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई। लखनऊ से कचेहरी आते समय बदमाशों ने कार को घेर बाबी पर ताबड़तोड़ 10 राउंड फायर किया। हत्या में प्रयुक्त असलहा प्रतिबंधित बोर के भी बताए जा रहे हैं। एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। शूटरों की तलाश में बाराबंकी सहित आसपास जिले की पुलिस को भी लगाया गया है।कोतवाली नगर के सिविल लाइन निवासी शुएब किदवाई उर्फ बॉबी वर्तमान में लखनऊ के महानगर एक्सटेंशन सेक्टर–सी में रह रहा था। वह कई वर्षों से विधि व्यवसाय से जुड़ा था और लगभग प्रतिदिन कचहरी आता था। बॉबी पर दो हत्या और गैंगस्टर सहित छह मुकदमे हैं और कोतवाली नगर का हिस्ट्रीशीटर भी है।बसपा सरकार में वह बंकी ब्लॉक से ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख भी रहा। शुक्रवार को भी वह लखनऊ से अपनी बलेनो कार से अकेले कचहरी के लिए निकला था। हाईवे पर असेनी ओवर ब्रिज से सर्विस लेन पर पहुंचे ही शूटरों ने कार को घेरकर ताबड़तोड़ फायर झोंक दिया। चेहरे पर दाएं, सीने पर बाएं और एक हाथ के अंगूठे सहित पैर में गोली लगना बताया जा रहा है।चेहरे पर लगी गोली गर्दन के ऊपर पीछे से निकल जाने की बात कही जा रही है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने घटना स्थल का जायजा लिया। मृतक की पहचान के बाद पुलिस और सक्रिय हो गई। बताया जा रहा है कि एक बाइक हेलमेट लगाए दो और कार सवार करीब छह शूटर थे।पल्सर ने आगे से कार को कवर किया और कार धीमी होते ही फायरिंग शुरू हो गई, जिससे मौके पर दहशत फैल गई। जानकारी होते ही अस्पताल की मर्चरी में अधिवक्ताओं का जमावड़ा लग गया, यहां वकील और पुलिस के बीच कार्रवाई की मांग को लेकर बहस और तीखी नोंकझोंक भी हुई। जैसे–तैसे शव को पोस्टमार्टम गृह पहुंचाया गया, जहां सैकड़ों वकील सहित परिवारजन पहुंचे।

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों ने दिया सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता का संदेश

बाराबंकी। सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन श्रीमती अंकिता शुक्ला के संरक्षण में जनपद के समस्त विकास खण्ड में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से फतेहपुर विकास खण्ड से पूर्व माध्यमिक विद्यालय खेरिया, बिशुनपुर, प्राथमिक विद्यालय हैदरगंज, इसरौली, विकास खण्ड बंकी से कंपोजिट विद्यालय कुम्हरोहरा ,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय ,देवा विकास खण्ड से उच्च प्राथमिक विद्यालय ढ गौरमऊ ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर जिला स्काउट मास्टर राजेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह जनवरी 2026 में आयोजित किया गया था। जिसको बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत विद्यालयों में जागरूकता हेतु एक माह और आगे बढ़ाया गया है शिक्षा निदेशक बेसिक के निर्देश के क्रम में आज सड़क सुरक्षा जागरूकता पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गंगानगर पहुंचे डिफेंस कालोनी में निजी कार्यक्रम में हुए शामिल

मेरठ(आरएनएस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुरुवार को मेरठ के गंगानगर स्थित डिफेंस कॉलोनी पहुंचे। वे कर्नल जसवंत सिंह नेहरा की श्रद्धांजलि सभा में अपने परिवार के साथ शामिल हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अवनीश काजला, महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा, जाहिद अंसारी, धूम सिंह गुर्जर, बबीता गुर्जर, रीना शर्मा, सुमित विकल, विनोद सोनकर, जितेंद्र भारद्वाज, अल्तमस त्यागी, मगन शर्मा, सुशील सैनी, अजय चौधरी, शहरयार मुखिया, वासु चौधरी, संजय वर्मा, अजीम और जगदीश माथुर सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अवनीश काजला ने बताया कि चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा का यह एक निजी कार्यक्रम था, जिसमें वे अपने परिवार के साथ आए थे। गंगानगर पहुंचने से पहले कंकरखेड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत भी किया।पत्रकारों से बातचीत के दौरान चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील और देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में देश के किसानों, छोटे उद्योगों और मध्यम वर्ग के हितों की रक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हुड्डा ने चेतावनी दी कि यदि आर्थिक नीतियां संतुलित और जनहितकारी नहीं होंगी, तो इसका देश की अर्थव्यवस्था और रोज़गार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

जिला जज न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी, मेरठ कचहरी में चेकिंग अभियान

मेरठ(आरएनएस)। जिला जज न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को हड़कंप मच गया। एक ईमेल के माध्यम से मिली इस धमकी के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया और कचहरी परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान आम लोगों और वकीलों में अफरा–तफरी का माहौल देखा गया।एसएसपी ने जारी किया अलर्ट, शुरू हुआ सघन चेकिंग अभियान

शुक्रवार को जिला जज परिसर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के तुरंत बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडे ने उच्च अलर्ट जारी कर दिया। उन्होंने तत्काल सीओ सिविल लाइन और सिविल लाइन थाने की पुलिस को कचहरी परिसर में व्यापक चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस अभियान में बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को भी तैनात किया गया, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके।सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की टीम भी जुटीमामले की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी ने सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की टीमों को भी इस धमकी की जांच में लगा दिया है। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य उस ईमेल के स्रोत का पता लगाना है, जिसके माध्यम से यह धमकी दी गई है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है। अफरा–तफरी का माहौल, सुरक्षा व्यवस्था कड़ीचेकिंग अभियान के दौरान, कचहरी परिसर में मौजूद लोगों में थोड़ी घबराहट और अफरा–तफरी का माहौल देखा गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर सभी प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी और हर आने–जाने वाले की तलाशी ली जा रही थी। वकीलों और कोर्ट परिसर में काम करने वाले कर्मचारियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। जांच जारी, पुलिस सतर्कफिलहाल, पुलिस इस धमकी के पीछे की सच्चाई का पता लगाने में जुटी हुई है। ईमेल की तकनीकी जांच की जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बीस लाख मामले के दो दारोगाओं की लोकेशन प्रयागराज में मिली

मेरठ ।(आरएनएस) धागा व्यापारी से 20 लाख की वसूली करने के आरोपित दोनों दारोगा लोकेंद्र साहू और महेश गंगवार की लोकेशन प्रयागराज में मिली हैं। पुलिस मान रही है कि दोनों आरोपित दारोगा गिरफ्तारी स्टे और सरेंडर करने के प्रयास में जुटे हुए है।पुलिस दोनों को भगौड़ा घोषित करने की तैयारी कर रही है। घटना के बाद से दोनों गैरहाजिर चल रहे है। दोनों दारोगा के परिवार का अभी अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। दारोगा महेश गंगवार के परिवार पर बरेली में मुकदमे दर्ज है। कंकरखेड़ा थाने की एक चौकी पर तैनात दारोगा भी दोनों आरोपितों का मददगार बना हुआ है। लिसाड़ीगेट के मुहल्ला इस्लामाबाद में मोहम्मद राशिक की धागे की दुकान और कपड़े का कारखाना है। भाई रागिब कारखाने पर बैठता है। एक दिसंबर 2025 को दोनों भाइयों ने दुकान और कारखाने के बैंक खाते में डेढ़ करोड़ की लिमिट बनवाई थी। बैंक ने उनके खाते में डेढ़ करोड़ की रकम ट्रांसफर कर दी थी।मुखबिर चीनू ने लोहियानगर थाने के दारोगा लोकेंद्र साहू और महेश गंगवार को राशिक के पास डेढ़ करोड़ रुपये होने की सूचना दी। दोनों दारोगाओं ने नौ दिसंबर शाम चार बजे राशिक को घर से उठा लिया। तीन घंटे कार में रखकर तीन किश्तों में 20 लाख की रकम वसूल ली। मुखबिर चीनू को भी दारोगाओं ने दो लाख रुपये दिए थे। 21 जनवरी को दारोगा लोकेंद्र ने नईम और राशिक को वाट्सएप काल की। तीन दिनों तक इन्होंने काल रिसीव नहीं की। तब उन्हें जेल भेजने की धमकी दी गई। काल रिसीव करने पर चौथी बार पांच लाख की रकम मांगी गई। तब व्यापारी ने 28 जनवरी को एसपी सिटी से शिकायत की।एसपी सिटी की जांच में सभी आरोप सही पाए गए। पांच फरवरी को दोनों दारोगाओं ने 15 लाख की रकम पीड़ित को वापस कर दी। पीड़ित की तरफ से दोनों दारोगा के खिलाफ अवैध वसूली और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोनों की लोकेशन प्रयागराज में मिली है। पुलिस मान रही है कि दोनों गिरफ्तारी स्टे और कोर्ट में सरेंडर का प्लानिंग कर रहे है। पुलिस दोनों को भगोड़ा घोषित करने की तैयारी कर रही है।साथ ही उनकी बर्खास्तगी की फाइल भी तैयार की जा रही है। साथ ही तत्कालीन इंस्पेक्टर योगेश चंद गौतम की फाइल खोलकर विभागीय जांच बैठा दी गईं। सीओ आफिस संतोष कुमार इंस्पेक्टर की विभागीय जांच कर रहे है। हालांकि उन्होंने अपने बयान में जानकारी से इन्कार किया है।इन्होंने कहादोनों दारोगा की गिरफ्तारी को टीमें लगी हुई है। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस दोनों को भगोड़ा घोषित करने की तैयारी कर रही है। दोनों के परिवार का अपराधिक इतिहास भी ढूंढा जा रहा है।

स्कूल जा रही किशोरी से छेड़छाड़ तो भीड़ ने पकड़कर पीटा

मेरठ(आरएनएस)। स्कूल जा रही मुस्लिक किशोरी के साथ 38 वर्षीय युवक ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर खंडहर में खींच कर ले गया। किशोरी के शोर मचाने पर भीड़ ने युवक की जमकर पिटाई की। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मी भीड़ के बीच से आरोपित को छुड़ाकर थाने ले गए।मामला दो संप्रदाय का होने की वजह से कुछ समय के लिए टकराव के हालत बन गए थे। पुलिस ने तत्काल ही किशोर के स्वजन की तहरीर पर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को जेल भेज दिया। गंदी हरकतों की वजह से ही दो साल पहले आरोपित की पत्नी भी छोड़कर चली गई।मवाना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीय मुस्लिम किशोरी गांव के स्कूल में कक्षा छह में पढ़ती है। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे किशोरी स्कूल जा रही थी। इसी बीच गांव के 38 वर्षीय तरुण उर्फ चिंटू ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर दी। तरुण नशे की हालत में था। वह किशोरी को खींच कर पास के खंडहर में ले गया। वहां पर किशोरी से शादी करने की बात कहने लगा। इसी बीच किशोर ने शोर मचा दिया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। तत्काल ही तरुण को घेरकर मारपीट करने लगे। वहां मौजूद लोगों ने यूपी–112 को काल कर मामले की जानकारी दी। पीआरवी ने मौके पर पहुंचकर भीड़ के बीच से तरुण को छुड़ा लिया। वहां से पीआरवी में बैठाकर उसे थाने ले गए। इसी बीच किशोरी और आरोपित पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। दोनों समुदाय के लोगों में कुछ समय तक तनातनी का माहौल बन गया। सूचना के बाद मवाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। दोनों समुदाय के लोगों को शांत कर वापस लौटाया। साथ ही तरुण के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

तत्प्रता दिखाने पर सिपाही व होमगार्ड को एसएसपी करेंगे सम्मानितपीआरवी पर तैनात सिपाही कुलदीप व होमगार्ड जयविंद्र देशवाल द्वारा लखनऊ से काल आने पर जिस तरीके से तत्परता दिखाई और वहां पहुंचकर हालात संभाला और थाना पुलिस को सूचना दी। इसकी सूचना थाना प्रभारी निरीक्षक पूनम जादौन ने एसएसपी अविनाश पांडेय को दी।

पीड़िता के भाई की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। वहीं, एसएसपी पीआरवी पर तैनात सिपाही कुलदीप व होमगार्ड जयविंद्र देशवाल को सम्मानित भी करेंगे।

परिवार को बंधक बनाकर 40 लाख की डकैती, शोर मचाने पर बुजुर्ग महिला के मुंह में कपड़ा ठूसकर पीटा

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ के सौंदत गांव में बीती रात डकैती की वारदात ने स्थानीय लोगों को दहला दिया है। चार नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में घुसकर लाखों रुपये की नगदी और सोने–चांदी के आभूषण लूट लिए। बदमाशों ने घर की बुजुर्ग महिला से मारपीट भी की। पुलिस ने आकर मामले की जांच की और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात चार नकाबपोश बदमाश सुनियोजित तरीके से गांव के इसरार के मकान में दाखिल हुए। उन्होंने घर की सेफ और अलमारी में रखे करीब 17 लाख रुपये, सोने–चांदी के आभूषण समेत लिए। मकान के एक अन्य कमरे में सो रही 75 वर्षीय महिला अल्ला की नींद खुल गई। आहट सुनकर जब उन्होंने बाहर आकर देखा और शोर मचाया तो एक बदमाश ने फौरन उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और मारपीट की। इसके बाद बदमाशों ने परिवार को बंधक बना लिया। फिर अपने तीन अन्य साथियों के साथ लाखों की नगदी और जेवरात लेकर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डीआईजी कलानिधि नैथनी, एसएसपी अविनाश पांडे, एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र और सीओ मवाना पंकज लवानिया पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से घटना की पूरी जानकारी ली और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोग इस घटना से आक्रोशित थे। पुलिस ने बदमाशों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरोंकी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। खुलासे के लिए एक टीम गठित की गई है। पीड़ित परिवार का बयान और अनुमानित नुकसानपीड़ित इसरार ने बताया कि लूटे गए सोने–चांदी के आभूषण उनकी तीन पुत्रवधुओं के थे। इस डकैती में 35 से 40 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

सचिन सिरोही हाउस अरेस्ट, मंडप पर ताला, हिंदू संगठन महापंचायत पर अड़े, बोले-नहीं होने देंगे मुस्लिम से शादी

मेरठ(आरएनएस)। गंगानगर की युवती और लिसाड़ीगेट के साहिल उर्फ शाहवेज राणा की शादी को लेकर चल रहे विवाद का मामला थम नहीं रहा है। अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन ने मवाना रोड पैराडाइज मंडप में शुक्रवार को दोपहर तीन बजे महापंचायत का ऐलान किया था। शुक्रवार को पुलिस ने मंडप पर ताले लगा दिए। दोपहर 12 बजे से संगठन के कार्यकर्ता पहुंचने शुरू हो गए। उन्होंने ऐलान किया कि मंडप नहीं खोला, तो बाहर ही पंचायत का आयोजन किया जाएगा।संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी धर्मेंद्र मलिक अपने कार्यकर्ता सोपित, पंकज, आसू, अंकित, अरुण आदि के साथ मौके पर पैराडाइज मंडप पहुंचे। उन्होंने बताया कि हम हिंदू बेटी को किसी दूसरे समुदाय के युवक के साथ नहीं जाने देंगे। प्रशासन, मंडप मालिक किसी ने भी महापंचायत करने की परमिशन नहीं दी है। मगर तय समय के अनुसार, महापंचायत करेंगे। कार्यकर्ता जुटने शुरू हो गए हैं। अगर मंडप में हमें नहीं जाने दिया तो सड़क पर ही महापंचायत करेंगे। वहीं, हालत को देखते हुए दोपहर एक बजे तक दो थानों की पुलिस और पीएसी तैनात की गई हैं।युवती के घर पुलिस तैनातवहीं दूसरी ओर गंगानगर में युवती के आवास पर पुलिस तैनात कर दी गई है। गंगानगर पुलिस लगातार गश्त पर है। मौके पर इंटेलिजेंस की टीम भी लगी हुई है।सचिन सिरोही हाउस अरेस्टअखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही और गाजियाबाद के पिंकी चौधरी को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। लिसाड़ीगेट के दूसरे समुदाय के युवक की शादी गंगानगर की हिंदू युवती से आज शुक्रवार को होनी थी। मगर हिंदू संगठनों के विरोध के बाद मवाना रोड स्थित पैराडाइज मंडप संचालक ने बुकिंग कैंसिल कर दी। इसके बाद हिंदू संगठनों ने पैराडाइज मेंही आज हिंदू महापंचायत का ऐलान किया है। इसके लेकर पुलिस प्रशासन और इंटेलीजेंस भी सक्रिय हो गया। पुलिस प्रशासन की टीम निगरानी रखे हुए है।

पुलिस ने 142 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब किया बरामद, चार अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने अन्तर्राज्यीय शराब तस्करी गैंग का पर्दाफाश कर 01 अदद बोलेरो व 01 अदद गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्राली में छिपाकर तस्करी कर बिहार हेतु ले जाए जा रहे कुल 142 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब भिन्न भिन्न ब्राण्ड वाहन सहित कुल कीमत लगभग 28 लाख रुपये के साथ 04 शराब तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब बिक्री, निष्कर्षण, परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 13 फरवरी को पडरौना कोतवाली पुलिस ने 01 अदद बोलेरो वाहन व 01 अदद गन्ना लदे ट्रैक्टर ट्राली में गन्ने के नीचे छिपाकर तस्करी कर बिहार हेतु ले जाए जा रहे कुल 142 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब (58 पेटी रायल स्टेट प्रत्येक पेटी में 12 बोतल कुल 696 बोतल मात्रा प्रति बोतल 750 एम एल तथा 84 पेटी आफिसर्स ज्वाइस अग्रेजी शराब प्रत्येक में 48 फ्रूटी मात्रा 180 एमएल कुल 4032 फ्रूटी, कुल मात्रा 1247 लीटर अंग्रेजी शराब उ0प्र0 निर्मित के साथ 04 शातिर शराब तस्कर बहादुर यादव पुत्र इन्द्रासन यादव ग्राम चंद्रौल थाना नवलपुर जनपद प0 चम्पारण बिहार, मनोज राय पुत्र शिवनाथ राय पता बभनौली कोठी थाना सेवरही जनपद कुशीनगर, किशन कुमार यादव पुत्र रामेश्वर यादव पता बथुवलिया थाना बथुवलिया जनपद प0 चम्पारण, बिहार, दीपू यादव पुत्र जमुना यादव पता बथुवलिया थाना बथुवलिया जनपद प0 चम्पारण बिहार को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोगो द्वारा उक्त शराब को पडरौना से लेकर गन्ने लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली आदि में छिपाकर बिहार ले जा रहे थे। बिहार में शराब प्रतिबंध के कारण उच्च मूल्य पर बेचकर अधिक लाभ कमाने की योजना थी।गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0 अ0 सं0 84/2026 धारा 60/72 आबकारी अधि0 में अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तो को जेल भेज दिया गया है।

दिल्ली से भार कम करने के लिए मेरठ में ।प्प्डै की मांगरू बाजपेयी

मेरठ(आरएनएस)। राज्यसभा सदस्य डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी ने मेरठ में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्थापना की मांग की है। बुधवार को राज्यसभा में उन्होंने कहा कि यदि मेरठ को एम्स मिल जाए तो दिल्ली एम्स का भार कम होगा?पूरे पश्चिम उत्तर प्रदेश के लोग दिल्ली न जाकर मेरठ उपचार के लिए आएंगे। उन्होंने मेडिकल में सुविधाओं का टोटा भी सभापति को गिनाया। एम्स न मिलने पर उन्होंने गुरुग्राम की तर्ज पर 30 बेड का एम्स का सैटेलाइट सेंटर और कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि मेरठ मंडल की लगभग डेढ़ करोड़, सहारपुर की लगभग 90 लाख जनसंख्या है। कहा कि यदि मेरठ में एम्स बन जाएगा तो इन मंडलों के रहने वाले दिल्ली न जाकर मेरठ ही आएंगे। कहा कि मेरठ के लाला लाजपत राय मेडिकल कालेज में डाक्टरों की कमी है।

आधुनिक सुविधाएं नहीं है। मशीनें नहीं है। जिस कारण यहां के मरीजों को दिल्ली एम्स में जाना पड़ता है। डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी के इस प्रस्ताव पर राज्यसभा के 45 सदस्यों ने अपनी सहमति भी जताई है और हस्ताक्षर करके सभापति को दिया है।

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मेरठ(आरएनएस)। शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय ने जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल के सहयोग से महिला छात्रों के स्वास्थ्य, सम्मान और सही जानकारी को बढ़ावा देने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम सतत विकास लक्ष्य 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता) और लक्ष्य 6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता) के अनुरूप था। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर एवं गतिविधि समन्वयक डॉ. रागिनी श्रीवास्तव के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने मासिक धर्म स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत की आवश्यकता, स्वच्छता के महत्व और परिसर में उपलब्ध स्वच्छता सुविधाओं के सही उपयोग के बारे में जागरूकता पर जोर दिया। इसके बाद शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. इंदिरा सिंह ने मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक मिथकों और झिझक को तोड़ने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि शिक्षा के माध्यम से युवा महिलाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सकता है और छात्राओं को स्वस्थ मासिक धर्म आदतें अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता बढ़ाने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई, जिससे छात्रों को मासिक धर्म के जैविक, सामाजिक और भावनात्मक पहलुओं की बेहतर समझ मिली। मुख्य वक्ता डॉ. ममता भारद्वाज (देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार) ने मासिक धर्म के जैविक पहलुओं, प्रजनन स्वास्थ्य में उसके महत्व तथा इस दौरान स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मासिक धर्म से जुड़े सामान्य मिथकों और गलत धारणाओं को भी दूर किया और वैज्ञानिक सोच तथा सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया।

आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न, पारदर्शी व नकलविहीन परीक्षा कराने का दिया गया निर्देश

संबंधित विषय के शिक्षक उसी विषय की परीक्षा में कक्ष निरीक्षक नहीं बनेंगे।

कुशीनगर, (आरएनएस)। आगामी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रभारी जिलाधिकारी वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर कुशीनगर में जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों के प्रबंधक, प्राचार्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में परीक्षा संबंधी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए विस्तृत दिशा–निर्देश दिए गए। प्रभारी जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्ट्रांग रूम की व्यवस्था शासन के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। प्रश्नपत्र प्राप्त होते ही उन्हें डबल लॉक अलमारी में सुरक्षित रखा जाए तथा डबल लॉक प्रणाली को खोलने एवं बंद करने की प्रक्रिया निर्धारित प्रारूप के अनुसार ही संपादित की जाए। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्यरत रहें तथा उनकी रिकॉर्डिंग और लॉग बुक में अंकित विवरणों का शत–प्रतिशत मिलान किया जाए। किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी जिलाधिकारी ने प्रश्नपत्र खोलने की प्रक्रिया पर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समय से पूर्व प्रश्नपत्र न खोले जाएं। प्रश्नपत्र खोलते समय सावधानी बरती जाए कि वे क्षतिग्रस्त न हों। किसी भी दशा में गलत प्रश्नपत्र न खोला जाए तथा शेष सामग्री का नियमानुसार सुरक्षित निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व परीक्षार्थियों को ओएमआर शीट भरने की विधि के संबंध में स्पष्ट जानकारी दी जाए, जिससे त्रुटियों की संभावना समाप्त हो सके। विद्यालयी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ एवं कार्यशील शौचालय, पेयजल की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश, पंखे एवं विद्युत आपूर्ति की।

स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन विषय पर जनपद स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता 16 फरवरी को

कुशीनगर, (आरएनएस)। संयुक्त निदेशक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ०प्र० द्वारा दिये गए निर्देश के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन विषयक जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी सदस्य जिला विज्ञान क्लब, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार ने देते हुए बताया कि विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य जनमानस में विज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, दैनिक जीवन में वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने के प्रति प्रेरित करना तथा समाज में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन में व्याप्त अंधविश्वासों एवं कुरीतियों के विरुद्ध वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा वैज्ञानिक चमत्कारों के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाएगा।

विजडम इण्डिया

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लखनऊ, शनिवार 14 फरवरी 2026

sheelshukla100@gmail.com

जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के मुबारकपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 24 वर्षीय आशीष यादव उर्फ सूरत यादव को गिरफ्तार किया है, जिस पर गंभीर मारपीट कर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप है।घटना की जानकारी अनुसार, दिनांक 10 फरवरी 2026 की रात लगभग 11 बजे वादी अतुल कुमार जायसवाल विवाह समारोह के लिए जा रहे थे। तभी समौधी तिराहे रोडवेज के पास पुराने रंजिश को लेकर आरोपीगण ने उन्हें रोक लिया और गाली–गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी–डंडा व रम्बा से सिर पर प्रहार कर अतुल कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान बीच–बचाव करने आए अन्य व्यक्तियों को भी मारपीट कर धमकाया गया।वादी की तहरीर के आधार पर थाना मुबारकपुर पर मुकदमा संख्या 43ध्26 दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान आशीष यादव सहित अन्य अभियुक्तों के नाम सामने आए।पुलिस उपनिरीक्षक मुरारी मिश्र ने 12 फरवरी 2026 को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में निगरानी रखी। मुखबिर से सूचना मिलने पर रामलीला मैदान मुबारकपुर से आशीष यादव को सुबह 7रू40 बजे गिरफ्तार किया गया।अभियुक्त को कानूनी कार्रवाई के तहत हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी की जानकारी आरोपी के परिजनों को भी दी गई।

501 कन्याओं की भव्य कलश यात्रा के साथ पटवध कौतुक प्राचीन शिव मंदिर में श्री राम कथा एवं मानस महायज्ञ का शुभारंभ

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के बिलरियागंज विकासखंड अंतर्गत स्थित पटवध कौतुक प्राचीन शिव मंदिर परिसर गुरुवार को भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा, जब श्री मानस महायज्ञ एवं श्री राम कथा के पावन अवसर पर 501 कन्याओं ने हाथी–घोड़े और गाजे–बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। पूरा क्षेत्र "हर हर महादेव" और "जय श्री राम" के जयघोष से आलोकित हो उठा।कलश यात्रा प्राचीन शिव मंदिर पटवध कौतुक से प्रारंभ होकर पटवध कौतुक गांव होते हुए सरैया बाजार तक गई और पुनः मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। सिर पर कलश धारण किए सैकड़ों कन्याओं की आस्था और श्रद्धा ने वातावरण को दिव्य बना दिया। ग्रामीणों ने जगह–जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यह धार्मिक आयोजन आज से प्रारंभ होकर 21 फरवरी तक चलेगा तथा 22 फरवरी को भव्य भंडारे के साथ इसका समापन होगा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशाल एवं सुसज्जित पंडाल की उत्तम व्यवस्था की गई है, जिससे दूर–दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।कार्यक्रम में विद्वान आचार्य श्रीकांत पांडेय एवं अन्य आचार्यों के सान्निध्य में वैदिक विधि–विधान से हवन–पूजन संपन्न कराया जाएगा। वहीं प्रतिदिन सायं 5रू00 बजे से रात्रि 10रू00 बजे तक आयोजित श्री राम कथा में पूज्य पंडित ललित गिरी महाराज जी अपने अमृतमय वचनों से श्रद्धालुओं को राम भक्ति के रस में सराबोर करेंगे।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सजग रहा। कलश यात्रा के दौरान थाना अध्यक्ष बिलरियागंज अपने हमराहियों के साथ प्रारंभ से लेकर समापन तक मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

जिला विज्ञान क्लब आजमगढ़ ने मनाया राष्ट्रीय गणित दिवस

आजमगढ़ (आर एन एस) उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के अंतर्गत संचालित जिला विज्ञान क्लब आजमगढ़ द्वारा महान भारतीय गणितज्ञ रामानुजन की स्मृति में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन पीएम श्री बालिका विद्यालय रैदोपुर में किया गया। के अध्यक्ष जिलाधिकारी, उपाध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम का आयोजन समन्वयक जिला विज्ञान क्लब आजमगढ़ इंजीनियर कुलभूषण सिंह द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक मंडल आजमगढ़ श्री नवल किशोर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गणित अध्ययन से दैनिक जीवन में तार्किक सोच विकसित होती है। महान गणितज्ञ के जीवन युवा पीढ़ी को गणित सीखने के लिए प्रेरित करता है और यह रेखांकित करता है कि गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक जीवन कौशल है।गणित के विशेषज्ञ श्री पुनीत प्रवक्ता डायट द्वारा छात्र छात्राओं को प्रोजेक्टर पर महान गणितज्ञ रामानुजन के जीवन पर प्रोजेक्टर के माध्यम से डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई तथा पीपीटी के माध्यम से गणित विषय पर सारगरभित व्याख्यान प्रस्तुत किया और वैदिक गणित के माध्यम से गणनाओं को सरल करने के तरीका समझाया गया।गणित विषय में शिक्षक श्री जयकरण ने गणित को सरस, रोचक एवं सरल तरीके से पढ़ाने की विधियो की चर्चा की।गणित विशेषज्ञ श्री पुनीत ने वैकल्पिक गणित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम संपन्न करवाया जिसमें मूल्यांकनोपरांत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार क्रमशः दीपांशु चौरसिया ,समीर मौर्या,आराध्य यादव तथा आरुषि सिंह प्रतिभा निकेतन स्कूल तथा पीएम श्री बालिका विद्यालय के छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य श्रीमती रूबी खातून तथा ई कुलभूषण सिंह द्वारा संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

डी वास्तु होम प्लानर और न्यूमरोलाजी रिपोर्ट कार्यालय का उद्घाटन

आजमगढ़ (आर एन एस) वास्तु होम प्लानर और न्यूमरोलॉजी रिपोर्ट कार्यालय हमीदपुर सैदवारा आजमगढ़ का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने वैदिक परम्पराओं के अनुरूप व फीता काटकर किया। विशाल सिंह ने मुख्य अतिथि सहजानन्द राय तथा विशिष्ट अतिथि चीनी मिल संघ लिमिटेड के प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषिकांत राय व पूर्व जिला अध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव का फूल मालाओं से लाद कर स्वागत किया तथा अंग वस्त्रम, डायरी व कैलेंडर देकर सम्मानित किया। दी बार एसोसिएशन लालगंज के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह व उनके पुत्र विशाल सिंह ने आए हुए समस्त अतिथियों का माल्यार्पण कर ,डायरी तथा कैलेंडर देकर सम्मानित किया। वास्तुशास्त्र के ज्ञाता विशाल सिंह ने अपने उद्बोधन में वास्तु शास्त्र के संदर्भ में विस्तार से प्रकाश डाला और लोगों को जागरूक किया। आपने बताया कि वास्तुका संबंध किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य वैभव और समृद्धि से जुड़ा हुआ है। पारिवारिक कलह भी वास्तु दोष के कारण ही होता है। राजनीति , ज्ञान और व्यवसाय के वास्तु के नियम अलग–अलग होते हैं। व्यक्तिगत उन्नति के लिए वास्तु के नियमों का पालन करते हुए व्यक्ति के वास्तु में सुधार के लिए सलाह दी जाती है। विशाल सिंह ने बताया कि प्राचीन हड़प्पा संस्कृति में घर में मंदिर और शौचालय नहीं होते थे। आज लोग ज्ञान के अभाव में या वास्तु ज्ञान के अभाव में मंदिर और शौचालय का निर्माण कहीं भी कर देते हैं ।जो व्यक्ति के उन्नति के कारक न होकर, विनाश के कारक बनते हैं। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को अलग–अलग सलाह दी जाती है। मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय ने विशाल सिंह के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं ब्यक्त कीं और कहा कि वास्तु शास्त्र का जीवन में बड़ा महत्व होता है। हर व्यक्ति को वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार ही अपने भवनों का निर्माण करना चाहिए । वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से जीवन में सफलता मिलती है। स्वास्थ्य अच्छा रहता है और पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बना रहता है। इस अवसर पर दी बार एसोसिएशन लालगंज के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश सिंह, जिला उपाध्यक्ष राम नयन सिंह, डिजाइनर विपिन कुमार भारती, अभिषेक सिंह,प्रमोद राय,रविशंकर राय उर्फ पिंटू राय, अरविंद सिंह,समर बहादुर सिंह एडवोकेट, धर्मेश पाठक , राजेश सिंह,शिवेन्द्र राय,सुधांशु, श्री प्रकाश यादव ,बालकेश दुबे,डॉक्टर जे पी एन तिवारी, मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, उषा सिंह, रबड़ा देवी आदि सैंकड़ों की संख्या में लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आकर्षण का केन्द्र रहीं देशप्रेम और राष्ट्रभक्तिसे ओतप्रोत प्रस्तुतियां

-ग्रामोदय महोत्सव का हुआ समापन

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के स्थापना समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित पंच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का समापन विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्‍तिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन रहे। जबकि समारोह की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की।इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. रमेशचंद्र त्रिपाठी, ग्रामोदय महोत्सव के मुख्य संयोजक प्रो. नन्दलाल मिश्रा, सह संयोजक प्रो. ललित कुमार सिंह, पूर्व कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्रा एवं प्रो. भरत मिश्रा सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता प्रो. डी.पी. राय .षि, प्रो. अमरजीत सिंह प्रबंधन, प्रो. एस.के. चतुर्वेदी विज्ञान, प्रो. आंजनेय पांडेय प्रबंधन, प्रो एनएल मिश्रा कला एवं अन्य शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत सम्मान उपरांत मुख्य संयोजक प्रो. नन्दलाल मिश्रा ने पांच दिवसीय महोत्सव का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें विविध बौद्धिक, सांस्‍तिक, ललित कला एवं खेल गतिविधियों का उल्लेख किया गया। समापन समारोह में प्रस्तुत सांस्‍तिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

सरायमीर पुलिस की बड़ी कामयाबी थाना प्रभारी भुवनेश चौबे के नेतृत्व में 2 लाख की ठगी का खुलासा, 1.90 लाख रुपये बरामद

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के थाना सरायमीर में जब से थाना प्रभारी निरीक्षक भुवनेश चौबे ने कार्यभार संभाला है, तब से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई देखने को मिल रही है। उनके कुशल नेतृत्व और सख्त कार्यशैली का ही परिणाम है कि सरायमीर पुलिस ने एक बड़ी ठगी का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और 1,90,000 रुपये नगद बरामद कर लिए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी नन्दलाल निषाद पुत्र स्व० जेठू निषाद निवासी ग्राम पश्चिम पट्टी थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ ने थाना सरायमीर में लिखित तहरीर देकर बताया कि लगभग एक माह पूर्व धर्मेन्द्र पुत्र लालजीत निवासी कमरावा थाना गंभीरपुर जनपद आजमगढ़ ने झाड़–फूंक के बहाने उनसे संपर्क किया। उसने अपने साथी रामआशीष मौर्या पुत्र लल्लन मौर्या निवासी जमुवावा थाना बरदह जनपद आजमगढ़ के पास 20 किलो चाँदी और 2 सोने की ईंट होने का लालच दिया।दिनांक 10 फरवरी 2026 को छित्तेपुर पेट्रोल पंप के पास दोनों आरोपियों ने वादी से 2,00,000 रुपये लेकर कागज में लिपटे दो थैले थमा दिए और मौके से फरार हो गए। बाद में जब वादी ने थैला खोला तो उसमें पीतल के टुकड़े मिले, जिससे ठगी का खुलासा हुआ।

वारंट अभियुक्तप्रदीप सिंह पटेल गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस) के जीयनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने वारंट अभियुक्त प्रदीप सिंह पटेल को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पहले से गंभीर धाराओं में मामला दर्ज था।मिली जानकारी के अनुसार, प्रदीप सिंह पटेल पुत्र जयबहादुर पटेल, निवासी मकरोपुर (जमीन मोहम्मदपुर), थाना जीयनपुर, के खिलाफ मु0अ0सं0 196ध2019 धारा 363ध366ध376 भादवि, 3ध4 पाक्सो एक्ट तथा 3(2)5 एससीध्एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज था।

युवा मतदाताओं के पंजीकरण हेतु आशा-एएनएम को विशेष जिम्मेदारी

आजमगढ़ (आर एन एस)निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जनपद में मतदाता सूची को अद्यतन एवं सुदृढ़ बनाने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पात्र युवाओं का समय से मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने अवगत कराया कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी एएनएम एवं आशा कार्यकत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने दैनिक कार्य के साथ–साथ अपने कार्यक्षेत्र में घर–घर संपर्क कर युवाओं को मतदाता पहचान पत्र बनवाने के प्रति भी जागरूक करें तथा उन्हें संबंधित बीएलओ के माध्यम से फार्म–6 भरवाने के लिए प्रेरित करें। विशेष रूप से 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवा, जिनका नाम अभी मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनकी पहचान कर पंजीकरण सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।सीएमओ ने यह भी बताया गया है कि इस अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं के फार्म भी अग्रिम रूप से भरवाने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि वे समय से मतदाता सूची में शामिल हो सकें। इसके लिए आशा कार्यकत्रियां एवं एएनएम संबंधित बीएलओ से समन्वय स्थापित कर युवाओं को पंजीकरण प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास करेंगी।मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की जमीनी स्तर तक पहुंच को देखते हुए यह पहल लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सभी आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की गई है कि वे इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए अधिकतम पात्र युवाओं को मतदाता सूची में शामिल कराने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल मेगा कैम्प में पात्रों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

आजमगढ़ (आर एन एस)उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं मा0 जनपद न्यायाधीशध अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में जनपद स्तर पर 22 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाले वृहदध्मेगा शिविर को दृष्टिगत रखते हुए आज वृद्धाश्रम अम्बरपुर, निजामाबाद में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नितिका राजन द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी, 2026 को जनपद स्तर पर जनपद न्यायालय परिसर में वृहदध्मेगा शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसके अन्तर्गत निर्बल वर्ग, बच्चों, स्त्रियों, दिव्यांग, वृद्धजन, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु समस्त विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल लगाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा।सचिव द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि जो भी लोग वृद्धा पेंशन से आच्छादित नहीं है वे अपना प्रार्थना पत्र समाज कल्याण विभाग को प्रेषित कर इस मेगा कैम्प में लाभ प्राप्त कर सकते है। स्वास्थ्य विभाग को वृद्धजनों के इलाज हेतु कैम्प लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाकर वृद्धजनों की खून जॉच की गयी तथा उन्हें आवश्यकतानुसार दवा वितरण किया गया। सचिव द्वारा बृद्धजनों से पूछताछ किया गया, जिसमें किसी प्रकार की समस्या नहीं बताया गया। बृध्द्धाआश्रम परिसर में पौधे लगाये जाने हेतु वन विभाग को पत्र प्रेषित करने हेतु संबधित को निर्देशित किया गया। वर्तमान में वृद्धाश्रम में 89 वृद्धजन निवासित है, जिसमें 41 महिला वृद्धजन है। सभी वृद्धजन द्वारा बताया गया कि वृद्धाश्रम में खाने–पीने की व्यवस्था अच्छी है।

प्रतिभागियों की बस को बीएसए ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षक अधिकारी बीके शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय शशांक शेखर शुक्ला, वित्त एवं लेखाधिकारी वेद प्रकाश सिंह द्वारा महोबा स्थित स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित हो रही मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल होने जा रहे प्रतिभागियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता 13 व 14 फरवरी को होनी है। इस प्रतियोगिता मे चित्रकूट, पहाड़ी, मानिकपुर, मऊ, कर्वी के बालक–बालिकाऐ सम्मलित है। जो विभिन्न प्रकार के खेलकूद कार्यक्रम दौड़ 50मी., 100मी., 200मी. , 400मी., 600मी., लम्बीकूद, ऊँचीकूद, गोलाफेंक, डिस्कस थ्रो, खो–खो, वालीबॉल, कबड्डी, योगा सहित सांस्‍तिक कार्यक्रम समूहगान, अंत्याक्षरी, एकांकी आयोजित होगे। जिला व्यायाम शिक्षक चित्रकूट दयानन्द सिंह ने बताया कि मण्डलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता मे जनपद चित्रकूट के लगभग 160 छात्र–छात्राओ एवं 30 शिक्षकध्शिक्षिकाऐ स्पोर्ट्स स्टेडियम महोबा के लिए जा रहे है। जहां दो दिवसीय 13 व 14 फरवरी 2026 को प्रतियोगिताओ का आयोजन होना है। जो छात्र–छात्राऐ मण्डलीय रैली मे अपनी प्रतियोगिता मे विजेता बनेगें उन्हे राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता मे खेलने का अवसर मिलता है।

छात्र की ट्रैक्टर से दबकर हुई मौत

चित्रकूट। थाना राजापुर अन्तर्गत रुपौली गाँव मे शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे कक्षा छह के छात्र की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गयी। मिली जानकारी के मुताबिक अभिनंदन पुत्र स्व शिवबाबू निवासी रुपौली कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 6 का छात्र था। विद्यालय की छुट्टी होने के बाद वह गाँव के देवस्थान शिवबाबा में होने वाले दंगल की चल रही तैयारियां देखने पहुंचा था।

जीआरपी टीम की सूझबूझ से टला हादसा

चित्रकूट।चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर नीचे जा रहे दो यात्रियों को मौके पर मौजूद जीआरपी जवान ने साहस और तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशांबी जिले के रायपुर गांव निवासी सुनंदन पटेल अपने भांजे मोहित पटेल के साथ पानीपत जाने के लिए संपर्क क्रांति ट्रेन से यात्रा करने के लिए चित्रकूट धाम कर्वी स्टेशन आया हुआ था। यहां चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान सुनंदन का पैर फिसल गया और वह ट्रेन के नीचे गिरने लगा, जिसे बचाने के लिए आया उसका भांजा मोहित भी ट्रेन के नीचे गिर गया। इस दौरान मौके पर मौजूद जीआरपी पुलिस के सिपाही ने अपनी सूझबूझ से दोनों यात्रियों को ट्रेन के नीचे से निकालकर उनकी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दोनों यात्रियों ने जीआरपी सिपाही को धन्यवाद दिया। यह घटना स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जीआरपी थाना प्रभारी शालिनी भदौरिया ने बताया कि प्लेटफार्म में हुई इस घटना को देखकर मुख्य आरक्षी विक्रम सिंह और आरक्षी हरिकेश मौर्या के साथ रेल यात्रियों को बचाकर गंतव्य के लिए सुरक्षित रवाना किया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए जीआरपी एसपी विपुल कुमार श्रीवास्तव ने टीम को प्रशस्ति पत्र दिया है।

35 क्रय केन्द्रों में 17 मार्च से शुरू होगी गेहूं खरीद, पंजीकरण प्रारंभ

चित्रकूट। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश कुमार झा ने बताया कि गेहूँ खरीद वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत सरकारी गेहूँ खरीद केन्द्रों पर सीधे किसानों से गेहूँ खरीद जनपद में 17 मार्च से प्रारम्भ हो जाएगी। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग द्वारा गेहूँ खरीद के लिए जनपद में कुल 3 ऐजन्सियों के 35 गेहूँ क्रय केन्द्रों का अनुमोदन किया गया है। जिसमे कर्वी तहसील में 14, मानिकपुर में 5, राजापुर में 7 एवं मऊ तहसील में 9 क्रय केन्द्र है। सरकारी गेहूँ खरीद केन्द्रों पर गेहूं बेचने के लिए किसानों को ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है। गेहूँ खरीद के लिए आनलाइन पजीकरण, अपडेशन प्रारम्भ हो गया है। अब तक जनपद में कुल 13 किसानों द्वारा आनलाइन पंजीकरण कराया गया है। जिन किसानों ने गत वर्षों में धानध्गेहूँ खरीद में पंजीकरण कराया था उन्हें नवीन पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें इसके लिए अपने पुराने पंजीकरण में सूचनाओं को सशोधित करना होगा। किसान भाई इसे किसी भी जनसेवा केन्द्र साइबर कैफे में जाकर अथवा स्वंय मोबाइल द्वारा कर सकते है। वर्तमान में सचालित धान क्रय केन्द्रों पर पंजीकरणध नवीनीकरण की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण समाधान दिवसों पर तहसीलों में पंजीकरणध्अपडेशन कैम्प लगाये जा रहे है। गेहूँ बिकी के लिए ओटीपी आधारित पंजीकरण की व्यवस्था है। .षक पंजीकरण को वर्तमान मोबाइल नम्बर ही अंकित कराये एवं एसएमएस द्वारा प्रेषित ओटीपी भरकर पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण करें। वर्ष 2026–27 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुन्तल है जो पिछले वर्ष की अपेक्षा 160 रुपये प्रति कुन्तल अधिक है। गेहूँ खरीद में गेहूँ का भुगतान किसानों को उन्हीं बैंक खातों में किया जाएगा जो उनके आधार नंबर से लिंक्ड है तथा एनपीसीआई मैपिग है। इस लिए पंजीकरण कराने से पूर्व किसान भाई यह सुनिश्चित कर लें. कि उनके आधार नंबर से लिक मोबाइल नंबर अपडेट है और उनके बैंक खाते में ई–केवाई सी की जा चुकी है। बैंक खाता सक्रिय होने के लिए आवश्यक है कि उसमें पिछले 13 महीने में धनराशि का लेन–देन किया गया हो। .षक किसी भी सहायता के लिए विभाग के टोल फ्री नम्बर 18001800150 या जनपद के जिला खाद्य विपणन अधिकारी तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लाक के विपणन निरीक्षक, क्रय केन्द्र प्रभारी से सम्पर्क कर सकते है।

मेगा शिविर में दी जाएगी सड़क हादसो से बचाव की जानकारी

चित्रकूट। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार मेगा विधिक सहायता सेवा शिविर के सफल आयोजन के लिए जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने आम जनमानस के मध्य सडक दुर्घटना से बचाव के लिए जागरूकता के सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक यातायात व जनपद की मोटर व्हीकल एजेन्सियों के प्रोप्राईटरों की बैठक आहूत की।बैठक में सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में 22 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सडक दुर्घटना से बचाव के लिए विभिन्न जानकारियां प्रदान की जायेगीं तथा दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के फायदे तथा सडक दुर्घटना से सम्बन्ध विभिन्न कानूनों की जानकारी प्रदान की जायेगीं। इस अवसर पर हरीराम यादव प्रभारी निरीक्षक यातायात, विवेक द्विवेदी लक्ष्मी मोटर्स पहाडी, चन्द्र नारायण पाण्डेय नारायण टीवीए राजापुर, राजा प्रसाद श्याम मोटर्स कर्वी, ओम प्रकाश यूनाइटेड बजाज भौरी एवं राघवराम तिवारी जय होण्डा बेडीपुलिया आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गोस्वामी तुलसीदास डिग्री कॉलेज बेडीपुलिया में रोजगार मेले का शिविर लगाया गया। जिसमें उपस्थित छात्र, छात्राओं को उनके अधिकार से सम्बन्धित विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा कानूनों की जानकारी दी गयी।

संतोष कुमार तृतीय ने अध्यक्ष पद पर संभाला कार्यभार

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने अवगत कराया कि जनपद में संचालित स्थायी लोक अदालत में अध्यक्ष पद पर सन्तोष कुमार तृतीय द्वारा कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है। जिससे जनपद में स्थायी लोक अदालत से सम्बन्धित वादकारियों को वाद दायर करने में सुविधा होगी तथा त्वरित न्याय प्राप्त होगा। स्थायी लोक अदालत के अन्तर्गत जनोपयोगी सेवाओं यथा यातायात सेवायें, डाकतार या टेलीफोन सेवायें, विद्युत आपूर्ति प्रकाश या जल सेवायें, लोक सफाई या स्वच्छता प्रणाली सेवायें, अस्पताल या औषधालय सम्बन्धी सेवायें, बीमा सेवायें इत्यादि से सम्बन्धित वाद स्थायी लोक अदालत में दाखिल कर त्वरित न्याय प्राप्त किया जा सकता है।

महाशिवरात्रि पर्व पर धूमधाम से निकलेगी राजाधिराज की बारात

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व पर धूमधाम से राजाधिराज मत्तगजेंद्रनाथ सरकार की बारात निकलेगी। जबलपुर का बैंड और शहनाई तथा प्रयागराज से आई झांकी आकर्षण का केंद्र होंगी। चार प्रहर की महाआरती, रतजगा और अनुष्ठानों का दौर जारी रहेगा। मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप दास महराज ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर की फूलों से भव्य सजावट होंगी। भजनों की बयार बहेगी। दोपहर से वृहद फलाहारी भण्डारे का दौर चलेगा और शाम चार बजे रामघाट से राजाधिराज सरकार की बारात निकलेगी। बारात में अखाडो के निशान, संत महंत, प्रयागराज की झांकी, जबलपुर का बैंड, हांथी घोड़े और रथ में सवार दूल्हा सरकार आकर्षण के केंद्र रहेंगे स बारात रामघाट से जयपुरिया तिराहा होते हुए पुराना सीतापुर बस स्टाप, चौगलिया होते हुए रामघाट पहुंचेगी स अधिकाधिक भक्तों से भोलेनाथ के बाराती बनने का उन्होंने आह्वान किया है। मंदिर के प्रधान पुजारी विपिन बिहारी महराज ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर शाम 8.30 बजे पहली महाआरती होंगी। इसके बाद रात्रि 11.30 बजे दूसरी, 2 बजे तीसरी और शुभ 4 बजे मंगला आरती होंगी। जबलपुर की शहनाई मंदिर में गूंजती रहेगी और पूरी रात भजन, कीर्तन, अनुष्ठान और रतजगा का दौर चलेगा। मंदिर प्रशासन की ओर से आयोजन की युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बारात का जयपुरिया तिराहे में बुंदेली सेना द्वारा भव्य स्वागत की तैयारी है।

सदन में विधायक ने उठाया किसानों की बदहाली का मुद्दा

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने विधानसभा सत्र के दौरान गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष कहा कि 80 प्रतिशत खेती मशीनरी पर आधारित है। डीजल की कीमत आसमान छू रही है। ओलावृष्टि, बेमौसम बारिश, पशुओं की तबाही से किसान परेशान है। बाजारो में जाने पर मूल्य नहीं मिलता। कर्ज के बोझ तले किसान दबा रहता है। ऐसे में किसानो के लिए काम करना पड़ेगा। 65 प्रतिशत किसान गरीबी रेखा के नीचे है। जनपद में चकबंदी बंदोबस्त, भूमि आवंटन में भ्रष्टाचार है। हालही में चकबंदी कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े गए हैं। कृषि विस्तार अधिकारियों के 303 में 273 पद खाली है। 50 जिलो में एक भी कृषि विस्तार अधिकारी नहीं है। किसानों को खाद समय से नहीं मिलता। जबकि उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में दिखाया जाता है। नीलगाय, बंदरो से किसानो की फसले बरबाद हो रही है। कृषि मंत्री से प्रश्न पूछा कि सरकार डीजल, खाद, कृषि उपकरणों में सब्सिडी देने पर विचार करेगी या नहीं।

टी20 वर्ल्ड कप में महा-उलटफेर! जिम्बाब्वे ने कंगारुओं को चटाई धूल, आस्ट्रेलिया को 23 रनों से रौंदा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के एक बड़े उलटफेर में, जिम्बाब्वे ने पूर्व चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराकर सनसनी मचा दी है। यह दूसरी बार है जब जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को हराया है, इससे पहले 2007 में भी उन्होंने यह कारनामा किया था। टी20 विश्व कप में अब पहले से कहीं ज्यादा उलटफेर देखने को मिल रहे हैं। जिम्बाब्वे ने सामूहिक शानदार प्रदर्शन के दम पर मौजूदा टी20 विश्व कप का पहला बड़ा उलटफेर करते हुए चोटों से जूझ रही पूर्व चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को आज 23 रनों से हरा दिया। यह दूसरी बार है जब अफ्रीकी देश ने इस प्रारूप में दिग्गज टीम को हराया है। इससे पहले उन्होंने 2007 के टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को मात दी थी। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की नाबाद 64 रनों की पारी और अन्य शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत जिम्बाब्वे ने 169ध्2 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टी20 विश्व कप 2026 में यह बड़ा और पहला उलटफेर है। 2024 के संस्करण में अमेरिका ने पाकिस्तान को चौंका दिया, वहीं 2022 में नामीबिया ने श्रीलंका को चौंका दिया और आयरलैंड ने इंग्लैंड पर एक यादगार जीत दर्ज की थी। चौंकाने वाली घटनाओं की इस कड़ी में इटली ने कल रात नेपाल को हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। और आज जिम्बाब्वे ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराकर एक असंभव कारनामा कर दिखाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने दो विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। शुरुआत में इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या जिम्बाब्वे ने सही रणनीति अपनाई है। उन्होंने सतर्क शुरुआत की और सिकंदर रजा के आने के बाद ही अपनी गति बढ़ाई, जिन्होंने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाए। सलामी

बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 56 गेंदों में 64 रन बनाकर पारी को संभाला और शीर्ष क्रम में बहुत जरूरी स्थिरता प्रदान की। हालांकि पारी के बीच में उनकी धीमी बल्लेबाजी की आलोचना हुई, खासकर ऐसे समय में जब टी20 क्रिकेट में 115 से कम स्ट्राइक रेट को अक्सर गलत माना जाता है, लेकिन पिच की प्रकृति ने कुछ और ही कहानी बयां की। यह बल्लेबाजों के अनुकूल पिच नहीं थी, और जैसे–जैसे दूसरी पारी आगे बढ़ी, जिम्बाब्वे का 169 रन का स्कोर एक मजबूत लक्ष्य लगने लगा। ऑस्ट्रेलिया से उम्मीद की जा रही थी कि वे लक्ष्य का पीछा कर लेंगे। कप्तान मिशेल मार्श समेत प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बीच जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 29 रन पर 4 विकेट गंवाने पर मजबूर कर दिया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मैथ्यू रेनशॉ ने 44 गेंदों में 65 रनों की जुझारू पारी खेलकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंततः ऑस्ट्रेलिया 23 रनों से हार गया।

नामीबिया पर कहर बरपाने के बाद वरुन चक्रवर्ती का खुलासा, पाकिस्तान के खिलाफ बताया अपना स्पन और रोटेशन पर काम कर रहे हैं।

टी20 विश्व कप में नामीबिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपनी गेंदबाजी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि वह गति, स्पिन और रोटेशन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपनी मौजूदा गेंदों को परफेक्ट बनाने और फॉलो में सुधार करके गति बढ़ाने को अपनी सफलता का कारण बताया। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में नामीबिया के खिलाफ अपनी फिरकी का जादू चलाने के बाद कहा कि वह अपनी गेंदबाजी में और विविधता लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बिलकुल सटीक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत के 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की टीम एक समय 10वें ओवर में दो विकेट पर 86 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन चक्रवर्ती (दो ओवर में सात रन पर तीन विकेट) ने उसके मध्यक्रम की रीढ़ तोड़ दी और टीम 116 रन पर सिमट गई।चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता (वेरिएशन) लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बेहतर करने पर अधिक ध्यान दिया है। चक्रवर्ती ने बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया के खिलाफ भारत की 93 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपनी गेंदबाजी के कुछ पहलुओं पर काम किया है जैसे गति, स्पिन और गेंद पर अधिक रोटेशन। लोग वेरिएशन पर भी काम करते

हैं लेकिन मैंने अपनी मौजूदा गेंदों को परफेक्ट बनाने पर काम किया जिससे बहुत मदद मिली।'' मैंने अपने फॉलो थ्रू पर काम कियाचक्रवर्ती ने नामीबिया के खिलाफ लंबे फॉलो थ्रू (गेंद फेंकते हुए आगे की ओर जाना) के साथ गेंदबाजी की और इस स्पिनर ने कहा कि अपनी गेंदों की गति बढ़ाने के लिए उन्होंने ऐसा किया। इस लेग स्पिनर ने कहा, ''मैंने अपने फॉलो थ्रू पर काम किया जिससे कि मैं विकेट पर अधिक तेजी से गेंद डाल सकूं। मैंने आज पहली ही गेंद गुगली फेंकी जबकि आम तौर पर मैं अपनी स्टॉक गेंद के साथ शुरुआत करता हूं।''भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में और फिर नामीबिया के खिलाफ भी बल्लेबाजों की नाकामी का सामना किया लेकिन चक्रवर्ती का मानना है कि द्विपक्षीय श्रृंखलाओं की तुलना में विकेट थोड़े असमान गति वाले हैं जिससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है। चक्रवर्ती ने कहा, ''अगर आप हमारे खेले गए मुकाबलों को देखें तो इस विश्व कप से पहले हुए सभी द्विपक्षीय मैच सपाट पिचों पर थे। यह निश्चित रूप से थोड़ा हैरान करने वाला था। पहले मैच का विकेट भी और यह विकेट भी। लेकिन हमें जो भी विकेट मिलता है हमें उसके हिसाब से खुद को ढालना होगा।'' उन्होंने कहा, ''आज (बृहस्पतिवार को) भी गेंद थोड़ी नीची रह रही थी लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि बहुत अधिक टर्न था, लेकिन गेंद नीची रह रही थी।''चक्रवर्ती ने साथ ही कहा कि रात के मैच में दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए ओस की भी भूमिका है और पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले भारत के अगले मैच में भी ऐसा देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, ''ओस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब आप दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आपको लक्ष्य का बचाव करना होता है तो कभी–कभी यह एक बड़ा मुद्दा होती है। आज भी बहुत ओस थी लेकिन हम अच्छा कर पाए। हम अनुभवी भी हैं क्योंकि हम आईपीएल में बहुत मैच खेलते हैं। हमें पता है कि अगर ओस आती है तो कैसे गेंदबाजी करनी है।'' चक्रवर्ती के लिए 2021 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच बुरे सपने की तरह रहा था। इस मुकाबलें में भारत को चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें थी लेकिन वह एक भी विकेट नहीं चटका पाए और टीम को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। उस मैच से अब तक अपनी गेंदबाजी में आए बदलाव पर चक्रवर्ती ने कहा, ''मैंने साइड स्पिन की जगह अपनी ओवर स्पिन और विकेट से अधिक गति और जिप पर काम किया है। कुछ वेरिएशन हैं जिन्हें मैं पिछले छह वर्ष से आजमा रहा हूं लेकिन अब भी परफेक्ट नहीं हुए जबकि कुछ काफी जल्दी काम कर जाते हैं। यह गेंद की जटिलता पर निर्भर करता है।'' रणनीतिक तरीके से गेंदबाजी की चक्रवर्ती ने नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस की भी सराहना की जिन्होंने 20 रन देकर चार विकेट चटकाए और बीच के ओवरों में भारतीय रन गति पर अंकुश लगाया। चक्रवर्ती ने कहा, ''उन्होंने बहुत रणनीतिक तरीके से गेंदबाजी की। वह बहुत बढ़िया था। मैं देख सकता था कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की योजना कैसे बनाई थी। उन्होंने इस पर काम किया था और काफी सोच–विचार किया था। अगर आप आखिरी चार ओवर देखें तो उनके पास एकदम सही योजना थी। वह अच्छी रिसर्च और योजना के साथ आए।'' पेट के संक्रमण से जूझ रहे अभिषेक शर्मा के संदर्भ में चक्रवर्ती ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज बेहतर महसूस कर रहा है और उन्हें लगता है कि अगला मैच खेल सकता है।

टी20 विश्व कप में टीम इण्डिया का अजेय रथ, नामीबिया को हराकर बनाया लगातार 10वीं जीत

भारतीय क्रिकेट टीम ने नामीबिया को 93 रनों से हराकर टी20 विश्व कप में इतिहास रच दिया है, टूर्नामेंट में लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है। यह जीत रनों के लिहाज से टी20 विश्व कप में भारत की अब तक की सबसे बड़ी विजय भी है। अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच 93 रनों से जीतने के बाद, टीम इंडिया पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास में लगातार 10वीं जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई। टीम इंडिया ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में अपनी जीत का सिलसिला शुरू किया और खिताब जीतने के रास्ते में आठ जीत दर्ज कीं, जिसके बाद उन्होंने मौजूदा 2026 संस्करण में दो और मैच जीते। इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका (2024 में 8), ऑस्ट्रेलिया (2022–2024 में 8), इंग्लैंड (2010–12 में 7) और भारत (2012–2014 में 7) शामिल हैं।इसके अलावा, नामीबिया को 93 रनों से हराने के बाद, टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप में रनों के अंतर से अपनी सबसे बड़ी जीत भी दर्ज की। इस विशिष्ट सूची में निम्नलिखित उपलब्धियां शामिल हैंरू 2012 में इंग्लैंड पर 90 रनों की जीत, 2014 में ऑस्ट्रेलिया पर 73 रनों की जीत, 2022 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 71 रनों की जीत और 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों की जीत। मैच की बात करें तो, भारत ने 20 ओवरों में 209ध्9 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। वहीं, हार्ड हिटर हार्दिक पांड्या ने 28 गेंदों में 52 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चार चौके और चार

गगनचुंबी छक्के शामिल थे।नामीबिया के लिए, कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (4ध्20) ने चार विकेट लिए। बेन शिकोंगो (1ध्41), बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (1ध्41) और जेजे स्मिट (1ध्50) ने भी विकेट लिए। 210 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप (22 गेंदों में 29 रन, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था) और जान फ्रायलिंक (15 गेंदों में 22 रन, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था) अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (11 गेंदों में 18 रन, दो छक्कों सहित) भी बल्ले से रन बनाने में नाकाम रहे, क्योंकि कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में मात्र 116 रन पर ऑल आउट हो गई और एकतरफा मुकाबले में 93 रनों से हार गई।

इशान किशन का नया अवतार लगातार 10वीं जीत

भारतीय क्रिकेट टीम ने नामीबिया को 93 रनों से हराकर टी20 विश्व कप में इतिहास रच दिया है, टूर्नामेंट में लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है। यह जीत रनों के लिहाज से टी20 विश्व कप में भारत की अब तक की सबसे बड़ी विजय भी है। अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच 93 रनों से जीतने के बाद, टीम इंडिया पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास में लगातार 10वीं जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई। टीम इंडिया ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में अपनी जीत का सिलसिला शुरू किया और खिताब जीतने के रास्ते में आठ जीत दर्ज कीं, जिसके बाद उन्होंने मौजूदा 2026 संस्करण में दो और मैच जीते। इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका (2024 में 8), ऑस्ट्रेलिया (2022–2024 में 8), इंग्लैंड (2010–12 में 7) और भारत (2012–2014 में 7) शामिल हैं।इसके अलावा, नामीबिया को 93 रनों से हराने के बाद, टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप में रनों के अंतर से अपनी सबसे बड़ी जीत भी दर्ज की। इस विशिष्ट सूची में निम्नलिखित उपलब्धियां शामिल हैंरू 2012 में इंग्लैंड पर 90 रनों की जीत, 2014 में ऑस्ट्रेलिया पर 73 रनों की जीत, 2022 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 71 रनों की जीत और 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों की जीत। मैच की बात करें तो, भारत ने 20 ओवरों में 209ध्9 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। वहीं, हार्ड हिटर हार्दिक पांड्या ने 28 गेंदों में 52 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चार चौके और चार गगनचुंबी छक्के शामिल थे। नामीबिया के लिए, कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (4ध्20)

ने चार विकेट लिए। बेन शिकोंगो (1ध्41), बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (1ध्41) और जेजे स्मिट (1ध्50) ने भी विकेट लिए। 210 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप (22 गेंदों में 29 रन, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था) और जान फ्रायलिंक (15 गेंदों में 22 रन, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था) अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (11 गेंदों में 18 रन, दो छक्कों सहित) भी बल्ले से रन बनाने में नाकाम रहे, क्योंकि कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में मात्र 116 रन पर ऑल आउट हो गई और एकतरफा मुकाबले में 93 रनों से हार गई।

हवाई अड्डों के पास ऊंची इमारतों की समस्या का होगा समाधान, नागर विमानन मंत्री ने किया आईसीएओ अध्ययन का ऐलान

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि हवाई अड्डों के आसपास इमारतों की ऊंचाई से जुड़ी पाबंदियों की समस्या के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की मदद से एक अध्ययन कराया जा रहा है। भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र और रियल एस्टेट उद्योग के बीच संतुलन बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि हवाई अड्डों के आसपास इमारतों की ऊंचाई से जुड़ी पाबंदियों और चुनौतियों के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (ष्ब्।व्) की मदद से एक विस्तृत अध्ययन कराया जा रहा है।नागर विमानन मंत्री

के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि हवाई अड्डों के आसपास इमारतों की ऊंचाई से जुड़ी पाबंदियों की समस्या के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की मदद से एक अध्ययन कराया जा रहा है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नगार विमानन बाजारों में शामिल है और फिलहाल देश में 165 हवाई अड्डे संचालित हैं। अगले पांच वर्ष में करीब 50 नए हवाई अड्डे बनने का अनुमान है।रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी के बीच उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डों के आसपास इमारतों की ऊंचाई पर प्रतिबंध लागू हैं। इस पृष्ठभूमि में मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में रियल एस्टेट उद्योग निकाय 'नारेडको' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शहरी एवं रियल एस्टेट विकास सम्मेलन' 2026 को संबोधित करते हुए इस अध्ययन का उल्लेख किया। नायडू ने कहा कि नागर विमानन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है, लेकिन हवाई अड्डों के आसपास इमारतों की ऊंचाई एक बड़ी चुनौती बनी हुई है खासकर महानगरों जैसे मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई में.. ।उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए अध्ययन शुरू किया गया है और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को जोड़ा गया है। अध्ययन दल विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा है तथा प्रौद्योगिकी एवं विमान संचालन से जुड़े पहलुओं का आकलन कर रहा है। मंत्री ने कहा कि सभी सुझावों और जानकारियों को शामिल करते हुए एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

जीडीपी का नए जीडीपी आंकड़ों बदला, भारत की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा बूस्ट?

भारत की अर्थव्यवस्था का आकार नए जीडीपी आंकड़ों के साथ बड़ा दिखने को तैयार है, क्योंकि सरकार बेस ईयर को 2011–12 से बदलकर 2022–23 कर रही हैय यह कदम भारत की 7: से अधिक की अनुमानित विकास दर की एक नई और बेहतर तस्वीर पेश करेगा। गुरुवार को सरकार नई महंगाई सीरीज जारी करेगी, जो बदलते खर्च के पैटर्न को दर्शाएगी और वास्तविक कीमतों के दबाव की बेहतर तस्वीर पेश करेगी। वहीं 27 फरवरी को नए सकल घरेलू उत्पाद यानी ळक्च् के आंकड़े सामने आएंगे, जिनमें अर्थव्यवस्था के आकार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दिखने की उम्मीद जताई जा रही है।मौजूद जानकारी के अनुसार सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग का कहना है कि पिछले दस वर्षों में प्रति परिवार खर्च दोगुने से भी ज्यादा हो चुका

है। यह बदलाव लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में आए सुधार को दर्शाता है। उनके मुताबिक अब उपभोग का स्वरूप पहले से काफी अलग हो गया है।नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी ब्च् में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसमें भोजन जैसी अस्थिर श्रेणियों का वजन करीब 50 प्रतिशत से घटाकर लगभग 36.8 प्रतिशत किया गया है और बेस ईयर को 2012 से बदलकर 2024 किया गया है। इसके अलावा कीमतों का संग्रह पूरे देश से किया गया है और ग्रामीण आवास किराया तथा ऑनलाइन मार्केटप्लेस जैसी नई श्रेणियों को भी जोड़ा गया है।गौरतलब है कि यह बदलाव ऐसे समय हो रहा है, जब भारतीय रिजर्व बैंक की महंगाई अनुमान प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार अधिक अनुमान के चलते मौद्रिक नीति सख्त बनी रहने की चर्चा रही है। ऐसे में नया ब्च् डेटा ब्याज दरों को लेकर बाजार की धारणा बदल सकता है, खासकर तब जब विदेशी निवेश नीति संकेतों के प्रति बेहद संवेदनशील बना हुआ है। सरकार गुरुवार शाम चार बजे यह महंगाई आंकड़ा जारी करेगी, जिसमें 2025 के आंकड़े भी नए वजन के आधार पर शामिल होंगे। इससे सालाना तुलना करना आसान हो जाएगा। सचिव सौरभ गर्ग के अनुसार भारत की खपत टोकरी में बड़ा बदलाव आया है। अब परिवार अनाज जैसे चावल और गेहूं पर कम खर्च कर रहे हैं, जबकि फल, सब्जी, दूध और मांस जैसे उत्पादों पर खर्च बढ़ा है। यह बढ़ती आय और बेहतर जीवन स्तर का संकेत माना जा रहा है।भारत की अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहले ही दावा कर चुकी है कि भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।भोजन के अलावा नया ब्च् ऑनलाइन शॉपिंग, बाहर खाने, अमेजॉन और नेटफ्लिक्स जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर होने वाले खर्च को भी ट्रैक करेगा। गौरतलब है कि पिछला ब्च् अपडेट 2015 में हुआ था, जबकि वैश्विक मानकों के अनुसार हर पांच साल में ऐसा किया जाना चाहिए। कोविड–19 महामारी के कारण यह प्रक्रिया टलती रही।साथ ही सरकार ळक्च् के बेस ईयर को भी 2011–12 से बदलकर 2022–23 करने जा रही है, ताकि अर्थव्यवस्था की नई संरचना को बेहतर ढंग से दिखाया जा सके। जीएसटी डेटा, इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकरण, असंगठित क्षेत्र और बागवानी से जुड़ी जानकारी को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इसके अलावा एक नया प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स तैयार किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में कीमतों के दबाव को समझना आसान होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि मई में आने वाले अस्थायी ळक्च् अनुमानों में इस सूचकांक का इस्तेमाल किया जा सके।

एआई का बढ़ता खौफ, आईटी सेक्टर में हाहाकार!

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर बढ़ी आशंकाओं ने आईटी शेयरों में तेज बिकवाली शुरू कर दी है, जिससे इंफोसिस और विप्रो 3: तक टूट गए। बाजार को डर है कि अब सिर्फ सहायक नहीं, बल्कि कंपनियों की जगह ले सकता है, इस माहौल को विदेशी ब्रोकरेज ने ÞSaaSpocalypse" करार देते हुए निवेशकों को सतर्क किया है। गुरुवार के कारोबार में इंफोसिस और विप्रो के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी बाजार में इन कंपनियों के ।क्त्‍ में तेज कमजोरी देखने को मिली थी, जिसने घरेलू निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। मौजूद जानकारी के अनुसार इंफोसिस का शेयर 3.15 प्रतिशत टूटकर 1,425.60 रुपये पर आ गया, जबकि विप्रो 2.5 प्रतिशत गिरकर 224.14 रुपये पर कारोबार करता दिखा। टीसीएस के शेयरों में भी 3.27 प्रतिशत की गिरावट आई और भाव 2,814.70 रुपये तक फिसल गया।

विजय माल्या को बाम्बे हाई कोर्ट का सख्त संदेश, भारत आना ही होगा

बॉम्बे हाई कोर्ट ने विजय माल्या को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उनकी याचिकाओं पर कोई भी सुनवाई तभी होगी जब वह व्यक्तिगत रूप से भारत लौटेंगे। कोर्ट ने श्भगोड़ा आर्थिक अपराधीश (थ्म्व्) कानून को चुनौती देने वाले माल्या को राहत देने से पहले उनकी शारीरिक उपस्थिति को अनिवार्य शर्त बताया है और वापसी की तारीख पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। लंबे समय से ब्रिटेन में बैठे शकिंग ऑफ गुड टाइम्सश यानी विजय माल्या को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कड़ा संदेश दे दिया है। गुरुवार को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस ने साफ कर दिया कि अगर माल्या को भारतीय अदालतों से कोई राहत चाहिए, तो उन्हें पहले भारत की जमीन पर कदम रखना होगा। कोर्ट का मिजाज देखकर तो यही लगता है कि अब ष्वर्क फ्रॉम होमष (या कहें कि ष्वर्क फ्रॉम यूकेष्) वाली दलीलें कानून के सामने नहीं टिकेंगी।ष्कानून से भागना और फायदा उठाना, दोनों साथ नहीं चलेंगेष्–सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने काफी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि माल्या एक तरफ तो भारतीय कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं और दूसरी तरफ उसी सिस्टम से अपने लिए राहत की उम्मीद कर रहे हैंकृऐसा नहीं हो सकता।अदालत ने सीधे शब्दों में कहा कि आपको वापस आना ही होगा। अगर आप लौटकर नहीं आ सकते, तो हम आपकी इस याचिका पर सुनवाई भी नहीं कर सकते। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माल्या को सुनने के लिए उनकी शारीरिक मौजूदगी (Physical Presence) पहली शर्त है। आप देश से बाहर रहकर केवल याचिकाएं फाइल करके सिस्टम का फायदा नहीं उठा सकते।क्या है पूरा मामला?

70 वर्षीय शराब कारोबारी विजय माल्या साल 2016 से ब्रिटेन में हैं। उन पर भारत में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (थ्म्व् ।बज) की संवैधानिक वैधता पर सवाल।दिलचस्प बात यह है कि केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि माल्या ने इस कानून को चुनौती तभी दी जब उन्हें खुद श्भगोड़ाश घोषित कर दिया गया।

कोर्ट ने दिया आखिरी मौकाचीफ जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी के लिए टाल दी है। लेकिन, जाते–जाते माल्या को एक होमवर्क भी दे दिया है। कोर्ट ने उनके वकील से कहा कि वे एक हलफनामा (।पिकंअपज) दाखिल करें जिसमें साफ–साफ लिखा हो कि माल्या भारत कब लौट रहे हैं।कोर्ट ने नरमी दिखाते हुए कहा, ष्हम अभी आपकी याचिका खारिज नहीं कर रहे हैं, बल्कि आपको एक मौका और दे रहे हैं। हमें यह रिकॉर्ड न करना पड़े कि आप कोर्ट की प्रक्रिया से भाग रहे हैं।ष्हालांकि, माल्या के सीनियर वकील अमित देसाई ने दलील दी कि पुराने कानूनी उदाहरणों के हिसाब से याचिकाकर्ता की फिजिकल मौजूदगी के बिना भी सुनवाई हो सकती है,।

नागबंधम से ऋषभ साहनी का खतरनाक लुक, अब्दाली बनकर मचाएंगे तबाही

अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा नागबंधम, जिसमें विरत कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे, इस समर ग्रैंड पैन–इंडिया रिलीज के लिए तैयार है। 15 तारीख को महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज होने वाला है, जिससे पहले मेकर्स ने इस एपिक कहानी के एक अहम किरदार का फर्स्ट लुक भी सामने ला दिया है, जिसने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।फाइटर में अपने दमदार अंदाज से पहचान बना चुके ऋषभ साहनी ने नागबंधम में भी जबरदस्त असर छोड़ा है। फिल्म में वह कुख्यात अफगान सुल्तान अब्दाली के रोल में नजर आएंगे। 1750 के दौर पर बनी यह कहानी भारत में अब्दाली के हमलों को दिखाती है, जहां मंदिरों की लूट, दौलत की भूख और उसकी बेरहम फितरत को सामने रखा गया है।फर्स्ट–लुक पोस्टर एक जबरदस्त और डरावने माहौल को दिखाता है, जहां बर्फ से ढका जंग का मैदान तूफानी हवाओं से घिरा है। ऋषभ मिड–चार्ज में नजर आते हैं, हाथ में खून से सना विशाल बैटल एक्स लिए हुए, आंखों में खौफ और जुनून साफ झलकता है। उनके पीछे विशाल सेना आगे बढ़ती दिखती है, ठंडी हवाओं में लहराते हरे जंगी झंडे, तीरंदाज, योद्धा और विशाल युद्ध हाथी इस हाई–वोल्टेज वॉर कैनवास को और भव्य बना देते हैं। खतरे का एहसास और बढ़ाने के लिए चारों ओर चमकती आंखों वाले भेड़ियों का झुंड नजर आता है, जो ताकत, तबाही और आने वाले विनाश का माहौल रच देता है।नागबंधम में अब्दाली को एक ऐसे शख्स के तौर पर दिखाया गया है, जो अपनी महत्वाकांक्षा और क्रूरता में अंधा हो चुका है। हिमालय में छिपे रहस्यमयी नाग बंधम को पाने के लिए वह चाहे ब्राह्मण हों या बच्चे किसी की जान की परवाह नहीं करता। यह किरदार इतिहास के एक बेहद काले और डरावने दौर की याद दिलाता है, जहां अब्दाली की बेरहमी और निर्दयता उसकी सबसे बड़ी पहचान बनकर सामने आती है।डायरेक्टर अभिषेक नामा ने ऋषभ की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है। उनके मुताबिक, ऋषभ का अभिनय इतना असरदार है कि ऐसा लगता है जैसे इतिहास का किरदार अब्दाली स्क्रीन पर सच में जिंदा हो उठा हो। उन्होंने कहा, ऋषभ ने इस जटिल किरदार में पूरी तरह खुद को ढाल लिया है और इसमें गहराई और तीव्रता भर दी है।ऋषभ ने कहा, अब्दाली जैसे चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरी कोशिश रही कि इस ऐतिहासिक चरित्र की जटिलताओं और उसके इरादों को सही तरीके से सामने लाया जाए, साथ ही कहानी की आत्मा से भी जुड़ा रहा जाए।फिल्म में नाभा नतेश और ऐश्वर्या मेनन फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी, जबकि जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बीएस अविनाश जैसे अनुभवी कलाकार अहम किरदारों में कहानी को मजबूती देते दिखाई देंगे। कैमरे के पीछे साउंडर राजन एस की शानदार सिनेमैटोग्राफी, आरसी प्रणव की एडिटिंग और अशोक कुमार के भव्य प्रोडक्शन डिजाइन के साथ नागबंधम बड़े पर्दे पर एक दमदार और विजुअली शानदार अनुभव देने का वादा करती है।

एसएस राजामौली ने वाराणसी की रिलीज तारीख पर लगाई मुहर, जारी हुआ नया पोस्टर

प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी की रिलीज तारीख पर एसएस राजामौली ने आखिरकार अपनी मुहर लगा दी है। कथित 1300 करोड़ के बजट वाली यह फिल्म रिलीज की तारीख को लेकर खूब चर्चा बटोर रही थी। हाल ही में, राजामौली ने वाराणसी शहर में जिसके नाम पर शीर्षक है, फिल्म के होर्डिंग्स भी लगवाए जिसके बाद चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया। अब फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज तारीख से पर्दा उठाया गया है।निर्माताओं ने एक्स पर वाराणसी का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आसमान से धरती पर उल्का पिंडों को गिरते हुए दिखाया गया है जिससे ज्वालामुखी जैसी आग की लपटें निकल रही हैं। पोस्टर के साथ बताया गया है कि फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के आधिकारिक शीर्षक का अनावरण नवंबर, 2025 को हैदराबाद में आयोजित ग्लोबट्रॉटर कार्यक्रम में किया गया था।फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज भी कहानी के अहम किरदार रहने वाले हैं। फिल्म की कहानी एक शिव भक्त की है जो एक रहस्यमयी मशन पर निकलता है और रास्ते में लगातार उसे क्लू मिलते हैं। लेकिन जैसे ही वो इस खोज के पड़ाव पार करता है तो पाता है कि इस मिशन के लिए उसे शैतान ने लगाया है और वह पूरी दुनिया पर राज करना चाहता है। हालांकि अभी तक फिल्म की कहानी पूरी तरह से सामने नहीं आई है। फिल्म के पोस्टर रिलीज हो चुके हैं जिसमें महेश बाबू का एक लुक सामने आया था। जिसमें वे शिव की सवारी नंदी पर बैठे हैं और हाथ में त्रिशूल लिए हैं। साथ ही उनके चेहरे पर जोरदार गुस्सा भी देखने को मिल रहा है।

साथ ही प्रियंका चोपड़ा भी एक दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं औनके किरदार का नाम मंदाकिनी है। बीते दिनों प्रियंका ने इसक एक लुक भी शेयर किया था जिसमें वे साड़ी पहने हाथों में बंदूक लिए दिख रही हैं। प्रियंका के इस अंदाज को देख फैन्स और भी उत्साहित हो गए हैं। लंबे समय बाद प्रियंका हॉलीवुड से भारतीय फिल्म में नजर आने वाली हैं।बता दें कि डायरेक्टर राजामौली अपनी ग्रांड फिल्मों और भव्य वीएफएक्स के लिए जानी जाती हैं। वाराणसी फिल्म का भी बजट 1300 करोड़ रुपयों से ज्यादा का है। बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा ने भी इसकी पुष्टि की थी। कपिल शर्मा के शो में पहुंची प्रियंका ने कहा था कि वे लंबे समय बाद किसी भारतीय फिल्म में लौटी हैं और उनका किरदार कमाल का रहने वाला है। फैन्स भी इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं और ये फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

बर्डर 2 का नहीं थम रहा तूफान, 20वें दिन की कमाई भी रही धमाकेदार

अनुराग सिंह के डायरेक्शन में बनी सनी देओल–वरुण धवन स्टारर श्बॉर्डर 2श बॉक्स ऑफिस पर थकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म जल्द ही अपनी रिलीज के चौथे हफ्ते में एंटर करने वाली है उससे पहले इसने दमदार कलेक्शन कर लिया है. यहां तक कि तीसरे मंगलवार को इस फिल्म ने जबरदस्त उछाल दिखाते हुए तगड़ी कमाई भी की. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे बुधवार को यानी 20वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

श्बॉर्डर 2श 1997 की आइकॉनिक वॉर ड्रामा बॉर्डर की सीक्वल है और इसमें दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी लीड रोल में हैं. बता दें कि 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई श्बॉर्डर 2श रिपब्लिक डे की छुट्टी वाले हफ्ते में दुनियाभर में रिलीज हुई थी और इसे जबरदस्त ओपनिंग मिली थी. पहले दिन फिल्म ने 30 करोड़ कमाए. इसके बाद रविवार को इसका कलेक्शन बढ़कर 54.5 करोड़ और फिर सोमवार को रिपब्लिक डे के मौके पर 59 करोड़ रुपये हो गया. इन शुरुआती आंकड़ों ने पहले हफ्ते की अच्छी कमाई का माहौल बनाने में मदद की और इसने फर्स्ट वीक में 24. 4 करोड़ की बटोर लिए. इसके बाद दूसरे हफ्ते की कमाई 70.15 करोड़ रुपये रही.वहीं इसके बाद तीसरे हफ्ते में इसने तीसरे फ्राइडे 2.85 करोड़, तीसरे शनिवार 5.25 करोड़, तीसरे रविवार 7.25 करोड़, तीसरे सोमवार 2 करोड़ और तीसरे मंगलवार 2.5 करोड़ कमाए.

अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्बॉर्डर 2श ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 1.75 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ श्बॉर्डर 2श की 20 दिनों की कुल कमाई अब 316 करोड़ रुपये हो गई है. श्बॉर्डर 2श रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी ठीक कमाई कर रही है. इसने 20 दिनों में 315 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और अब इसकी नजरें 350 करोड़ पर टिकी हैं. इसके लिए इसे अभी उम्मीद है कि चौथे वीकेंड पर तेजी दिखाते हुए फिल्म ये आंकड़ा भी पार कर लेगी. हालांकि इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में शाहिद कपूर की ओ रोमियो भी रिलीज हो रही है. इस फिल्म के आने से श्बॉर्डर 2श की कमाई पर काफी असर पड़ेगा और शोज भी कम हो जाएंगे. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि श्बॉर्डर 2श बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई और कर पाती है.श्बॉर्डर 2श जिसे अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है और टी–सीरीज और जेपी फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है, ये जेपी दत्ता की 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है. मेन लीड कास्ट के अलावा, फिल्म में मोना सिंह, सोनम बाजवा, अन्या सिंह और मेधा राणा भी हैं. इस वॉर ड्रामा को जे.पी. दत्ता की बेटी निधि दत्ता और भूषण कुमार ने प्रोड्यूस किया है.मेकर्स ने फिल्म की कमाई को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए रिपब्लिक डे की छुट्टी वाले वीकेंड का फायदा उठाया. 199 मिनट की यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई थी.रानी मुखर्जी की हालिया रिलीज फिल्म श्मर्दानी 3श भी बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. रानी की पावर पैक्ड परफॉर्मेंस के चलते ये फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को खींचने में कामयाब रही है और इसकी कमाई शानदार रही है.

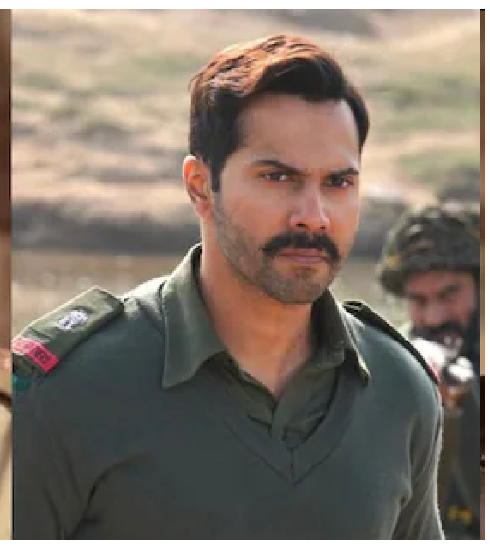

पति पत्नी और वो दो की रिलीज तारीख आई, तीन-तीन हीरोइनों संग इश्क फरमाएंगे आयुष्मान खुराना

साल 2019 में एक फिल्म आई थी पति पत्नी और वो, जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी। इसके गाने भी हिट थे। फिल्म में पति कार्तिक आर्यन बने थे, उनकी पत्नी भूमि पेडनेकर बनी थीं और वो का किरदार अनन्या पांडे ने निभाया था। अब इसी फिल्म का सीक्वल आ रहा है, जिसका नाम है पति पत्नी और वो दो। इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं और अब इसकी रिलीज तारीख सामने आ गई है।जाने–माने फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर साझा कर इसकी रिलीज तारीख का ऐलान किया है। इसी के साथ ये भी पता चला है कि इस बार फिल्म में दो नहीं, बल्कि तीन–तीन अभिनेत्रियां होंगी। एक हैं सारा अली खान, दूसरी हैं रकुल प्रीत सिंह और तीसरी हैं वामिका गब्बी। इन तीनों हीरोइनों के साथ आयुष्मान रोमांस करते दिखेंगे, जबकि पति पत्नी और वो में कार्तिक के साथ दो अभिनेत्रियां थीं।फिल्म अगले साल 4 मार्च, 2026 में यानी होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस पोस्ट ने जहां आयुष्मान के प्रशंसकों का उत्साह दोगुना कर दिया है, वहीं कार्तिक के प्रशंसकों को फिल्म में उनकी कमी खल रही है। एक यूजर ने लिखा, इस बार तो धमाका हो जाएगा। कुछ ने फिल्म पहले ही हिट बता दी है। उधर एक ने लिखा, बेकार कर दी फिल्म, कार्तिक होना चाहिए था। बता दें कि ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक ट्वीट करके यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक फिल्म पति पत्नी और वो दो अब 15 मई 2026 को रिलीज होगी।पति पत्नी और वो में आयुष्मान, प्रजापति पांडे का किरदार निभाने वाले हैं। ये पहला मौका होगा, जब आयुष्मान, सारा, रकुल और वामिका साथ पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म के नाम से ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये किस तरह की फिल्म होने वाली है। ये एक रोमांटिक, कॉमेडी और ड्रामा पर आधारित फिल्म होगी। टी–सीरीज के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण हो रहा है, वहीं मुदस्सर अजीज के एक बार फिर निर्देशन की कमान संभाली है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म पति पत्नी और वो में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आए थे। इनके अलावा फिल्म में कृति सैनन का कैमियो था और राजपाल यादव, अपारशक्ति खुराना, सनी सिंह और दीया मिर्जा जैसे कलाकारों ने भी काम किया था। कमाई की बात करें तो इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपये था, जबकि इसने दुनियाभर में 109 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

मधुर भंडारकर की द वाइव्स में महक बनेंगी मौनी राय, अभिनेत्री ने पूरी की शूटिंग

अभिनेत्री मौनी रॉय निर्देशक मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म द वाइव्स में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो गई है। मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म में मौनी रॉय महक नाम का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का एक अहम हिस्सा था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। इसमें मौनी के साथ–साथ फिल्म के बाकी कलाकार और मधुर भंडारकर भी नजर आ रहे हैं।मौनी ने लिखा, शानदार फिल्म द वाइव्स की मैंने शूटिंग पूरी कर ली है। यह मेरी जिंदगी की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनने वाली है। मधुर भंडारकर सर का बहुत–बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह किरदार दिया। आपके साथ काम करना मेरी बकेट लिस्ट का अहम हिस्सा था।इसी के साथ ही मौनी ने अपने सह–कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, मेरे शानदार को–स्टार्स का भी शुक्रिया, जो बहुत दयालु, प्यारे और सहयोगी रहे। फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।निर्माता–निर्देशक मधुर भंडारकर आगामी फिल्म द वाइव्स के जरिए सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में बॉलीवुड की महिलाओं के ग्लैमर के पीछे छिपी जिंदगी से जुड़ी कहानी को दिखाया जाएगा। इसमें मौनी के अलावा, सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इसके अलावा, फिल्म में अन्य कलाकार भी नजर आएंगे, लेकिन अभी उनके बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने रिलीज की तारीख अनाउंस नहीं की है।

इसके अलावा, मौनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज अब होगा हिसाब में नजर आएंगी। इस सीरीज में मौनी रॉय, शाहीर शेख और निमृत कौर अहलूवालिया भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने सीरीज के रिलीज डेट की घोषणा अभी तक नहीं की।

बाक्स आफिस पर धमाका करने आ रही ओ रोमियो, रिलीज से पहले हुई धुंआधार कमाई

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो की रिलीज में सिर्फ 1 दिन बाकी रह गया है। 13 फरवरी को रिलीज हो रही फिल्म में, शाहिद कपूर मुख्य किरदार में नजर आएंगे जिनका कबीर सिंह वाला अंदाज दोबारा देखने के लिए फैंस उतावले हैं। 10 फरवरी से फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी, जिसके जरिए निर्माताओं की झोली भरनी शुरू हो चुकी है। आइए जानते हैं ओ रोमियो कैसा प्रदर्शन कर रही है?सैकनिल्क के मुताबिक, ओ रोमियो ने एडवांस बुकिंग में 51,150 टिकटों की बिक्री कर ली है। फिल्म को फिलहाल 8,795 शो मिले हैं जिसके बाद कुल ग्रॉस कलेक्शन 1.21 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म ने रिलीज से पहले कुल 3.29 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का आंकड़ा 2 करोड़ के करीब जा सकता है। यह पहले दिन 10 से 15 करोड़ रुपये के बीच ओपनिंग ले सकती है। ओ रोमियो में शाहिद को गैंगस्टर उस्तरा नाम के किरदार में देखा जाएगा, जिसका गुस्सैल स्वभाव और टैटू भरा लुक फैंस का ध्यान खींच रहा है। तृप्ति डिमरी, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी समेत कई सितारे भी फिल्म का हिस्सा हैं। शाहिद और विशाल की यह साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून में काम कर चुके हैं। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाती है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।